गरवी गुजरात

RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 170
दि. 19.10.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

प्रधानमंत्री मोदी और कई नेताओं ने धनतेरस पर दी शुभकामनाएं, स्वदेशी खरीदारी को बढ़ावा देने का आह्वान

(जीएनएस)। नई दिल्ली। भारत और मिस्र के बीच हाल ही में आयोजित रणनीतिक वार्ता ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में नए रास्ते खोले हैं। रिपोर्टों के अनुसार, इस सहयोग का फोकस विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहन (EV), रिन्यूएबल एनर्जी, फिनटेक, स्टार्टअप्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), खाद्य सुरक्षा और रक्षा क्षेत्रों में निवेश के अवसरों पर रहेगा।

जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के वेस्ट एशियन स्टडीज के एसोसिएट प्रोफेसर मुदस्सिर कमर के हवाले से अरब न्यूज की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और मिस्र के बीच उभरते और विशिष्ट क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। इन क्षेत्रों में स्टार्टअप इकोसिस्टम, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, फार्मास्यूटिकल्स और नवाचार (Innovation) भी शामिल हैं।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बताया कि 2023 में भारत-मिस्र रणनीतिक साझेदारी की स्थापना के बाद दोनों देशों ने राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, समुद्री और आतंकवाद-रोधी सहयोग को लेकर गहन चर्चा की है। इस बैठक में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, फिनटेक, फार्मा, स्टार्टअप और रिन्यूएबल एनर्जी में निवेश के अवसर तलाशने पर विशेष जोर दिया गया।

मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलाती ने अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान नई दिल्ली में जयशंकर के साथ सह-अध्यक्षता वाली वार्ता में कहा कि स्वेज नहर आर्थिक क्षेत्र भारतीय कंपनियों के लिए महत्वपूर्ण निवेश अवसर प्रदान करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मिस्र इस क्षेत्र में भारतीय औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने और स्थानीय बाजार की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है। इसके अलावा, यह क्षेत्र निर्यात विस्तार और व्यापक निवेश प्रोत्साहन, कर और सीमा शुल्क छूट की संभावनाओं के कारण भी आकर्षक है।

पूर्व राजदूत अनिल त्रिगुणायत ने बताया कि दोनों पक्ष डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, फिनटेक, फार्मास्यूटिकल्स, स्टार्टअप और इनोवेशन के साथ-साथ रिन्यूएबल एनर्जी में निवेश की संभावनाओं का पता लगाने पर सहमत हुए हैं। इस सहयोग के तहत तकनीकी, आर्थिक और औद्योगिक साझेदारी को बढ़ावा देने के प्रयास किए जाएंगे।

विशेषज्ञों के अनुसार, भारत और मिस्र के बीच इस रणनीतिक सहयोग से न केवल दोनों देशों के व्यापारिक और निवेश संबंध मजबूत होंगे, बल्कि वैश्विक तकनीकी और नवाचार के क्षेत्र में साझेदारी के नए अवसर भी खुलेंगे। ईवी, रिन्यूएबल एनर्जी और फिनटेक जैसे उभरते क्षेत्रों में यह साझेदारी दोनों देशों को प्रतिस्पर्धी लाभ और सतत विकास के रास्ते प्रदान करेगी।

इस रणनीतिक वार्ता के परिणामस्वरूप भारतीय कंपनियों को मिस्र में औद्योगिक और निवेश क्षेत्र में प्रवेश के नए अवसर मिलेंगे, जबकि मिस्र को भारतीय तकनीकी और नवाचार से लाभ होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सहयोग आने वाले वर्षों में दोनों देशों के आर्थिक और तकनीकी रिश्तों को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा।

अध्ययन में दावा: महासागर हरियाली खो रहे हैं, कार्बन अवशोषण क्षमता कमजोर हो रही

(जीएनएस)। नई दिल्ली। हाल ही में पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं और बीजिंग के डी लॉन्ग द्वारा किए गए अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि दुनिया के महासागर अपनी हरियाली खो रहे हैं। शोध के अनुसार, पृथ्वी के गर्म होने और तापमान में वृद्धि के कारण फाइटोप्लैंकटन, जो महासागरों की जैवमंडलीय उत्पादकता के आधे हिस्से के लिए जिम्मेदार हैं, की संख्या घट रही है। इसके परिणामस्वरूप महासागर कार्बन डाइऑक्साइड सोखने की क्षमता में कमी का सामना कर रहे हैं।

शोध में 2001 से 2023 तक के दो दशकों के ट्रेंड का अध्ययन किया गया। वैज्ञानिकों ने निम्न और मध्य अक्षांशों के महासागरों में रोजाना क्लोरोफिल सांद्रता का विश्लेषण किया। क्लोरोफिल वह हरा रंगद्रव्य है जो फोटोसिंथेसिस के लिए आवश्यक है, यानी सूर्य के प्रकाश, पानी और कार्बन डाइऑक्साइड को ऑक्सीजन और ग्लूकोज में बदलने की प्रक्रिया। यही प्रक्रिया पृथ्वी पर जीवन के लिए मूलभूत आधार है। शोधकर्ताओं ने डीप-लर्निंग एल्गोरिदम का इस्तेमाल करते हुए सैटेलाइट और मॉनिटरिंग जहाज़ों से डाटा इकट्ठा किया। अध्ययन में पाया गया कि हर साल लगभग 0.35 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर हरियाली घट रही है। तटीय इलाकों में यह गिरावट दोगुनी और नदी के मुहाने पर चार गुना से अधिक पाई गई। शोधकर्ताओं के अनुसार इससे महासागर की पारिस्थितिक कार्यक्षमता और कार्बन अवशोषण क्षमता में प्रति वर्ष 0.088% की कमी हो रही है, जो 32 मिलियन टन कार्बन के बराबर है। पेपर में बताया गया कि समुद्र की सतह के पास ऊपरी हिस्से गर्म होने से गहराइयों में तापमान का अंतर बढ़ गया है। इससे पोषक तत्वों का वर्टिकल ट्रांसपोर्ट बाधित हो रहा है, जो फाइटोप्लैंकटन के लिए जरूरी हैं। पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के सहयोगी लेखक माइकल मान ने कहा कि यह पहली बार है जब स्पष्ट रूप से दिखाया गया है कि महासागरों की हरियाली घट रही है। यह निष्कर्ष पिछली कई स्टडीज़ के विपरीत है, जिनमें कहा गया था कि समुद्रों में एल्गल ब्लूम बढ़ रहे हैं। शोधकर्ताओं ने चेताया है कि अगर यह स्थिति जारी रही, तो पृथ्वी कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषण की अपनी क्षमता खो सकती है। समुद्रों की पारिस्थितिक प्रणाली पर इसका गहरा प्रभाव पड़ेगा और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियां और गंभीर हो जाएंगी। अध्ययन साइंस एडवांसेस जर्नल में प्रकाशित हुआ

पाक आर्मी चीफ मुनीर का कड़ा संदेश: मामूली उकसावे पर भी पाकिस्तान देगा निर्णायक जवाब, न्यूक्लियर का जिक्र

(जीएनएस)। काकुल। पाकिस्तान मिलिट्री एकेडमी (PMA) में शनिवार को अपने संबोधन में पाकिस्तानी आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने भारत के प्रति कड़े तेवर अपनाने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि न्यूक्लियराइज्ड माहौल में जंग की कोई जगह नहीं है, लेकिन अगर किसी भी मामूली उकसावे की स्थिति उत्पन्न होती है तो पाकिस्तान 'दृढ़ और निर्णायक' जवाब देने के लिए तैयार है।

मुनीर ने अपने भाषण में स्पष्ट किया कि यदि भारत की ओर से किसी भी प्रकार की विरोधात्मक घटनाओं की श्रृंखला शुरू होती है, तो पाकिस्तान उम्मीद से कहीं अधिक कठोर प्रतिक्रिया देगा। उनके मुताबिक हथियार प्रणालियों की बढ़ती पहुंच और मारक क्षमता यह सुनिश्चित करेगी कि भारत की भौगोलिक बड़ेपन पर आधारित गलत धारणाओं को चुनौती दी जा सके और कम्युनिकेशन और लड़ाई के बीच घटते अंतर का फायदा उठाया जा सके।

उन्होंने पुराने घटनाक्रमों का हवाला

देते हुए कहा कि भारत की ओर से लगातार भड़काऊ बयानबाजी और कश्मीर को लेकर कठोर रुख अपनाया गया है। मुनीर ने यह भी आरोप दोहराए कि पाकिस्तान पर आतंकवाद को अस्थिर करने के लिए इस्तेमाल करने का आरोप लगाया जाता है, लेकिन उनका कहना था कि "मुट्ठीभर आतंकी पाकिस्तान को नुकसान नहीं पहुंचा सकते।"

आर्मी चीफ ने पिछले सैन्य संघर्ष और पाकिस्तानी सशस्त्र बलों की कार्यकुशलता का उल्लेख करते हुए कहा कि हालिया सैन्य लड़ाई में पाकिस्तानी बलों ने पेशेवराना रवैये से सभी खतरों को बेअसर किया। उन्होंने पहलगाम हमले का उदाहरण देते हुए यह भी चेतावनी दी कि दोनों देशों के बीच तनातनी बढ़ने पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं और किसी भी स्थिति की जिम्मेदारी पूरी तरह भारत पर डाली जा सकती है।

मुनीर ने अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में भी चेतावनी जारी की। उन्होंने भारत की सैन्य नेतृत्व को सावधान करते हुए कहा कि न्यूक्लियराइज्ड माहौल में किसी प्रकार की जंग स्वीकार्य नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि अफगान जमीन का गलत इस्तेमाल करने वाले प्रॉक्सी तत्वों के खिलाफ पाकिस्तान सख्ती से निपटेगा।

उनके इस संबोधन से साफ संकेत मिला कि पाकिस्तान मामूली उकसावे को भी नजरअंदाज नहीं करेगा और किसी भी तरह की सीमा पार तनाव की स्थिति में निर्णायक कार्रवाई से पीछे नहीं हटेगा। यह संदेश क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की सैन्य रणनीति की गंभीरता को स्पष्ट करता है।

जीएसटी राहत का सीधा असर: आम आदमी को सस्ते सामान का फायदा, मुनाफाखोरों पर गिरेगी गाज

(जीएनएस)। नई दिल्ली। त्योहारी मौसम में आम जनता के लिए राहत की खबर आई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को घोषणा की कि जीएसटी दरों में हाल ही में की गई कटौती का लाभ बाजार में दिखने लगा है। मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, रोजमर्रा की जरूरत के 54 सामानों के दामों में 6 से 12 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। इनमें घी, बटर, साबुन, टूथब्रश, शैंपू, छाता, खिलौने और घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स तक शामिल हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि जो व्यापारी या कंपनियां इस कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचाएंगी, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकार की ओर से कहा गया है कि दरों में कमी का उद्देश्य केवल महंगाई पर नियंत्रण नहीं, बल्कि खपत को बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को गति देना भी है। सीतारमण ने कहा, "हमारा मासिक जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ रुपये के पार जा रहा है। इसलिए यह उचित समय था कि इस सफलता का लाभ देश की जनता को लौटाया जाए। दरों में कटौती से उपभोग बढ़ेगा, जिससे मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर और रोजगार दोनों को बल मिलेगा।"

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, दरों में कटौती के बाद उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय को कई शिकायतें भी मिली हैं। अब तक 3,075 शिकायतें दर्ज की जा चुकी

हैं, जिन्हें जांच के लिए अप्रत्यक्ष कर विभाग को भेज दिया गया है। इन शिकायतों में अधिकतर उन व्यापारियों के खिलाफ हैं जिन्होंने वस्तुओं पर कर घटने के बावजूद दामों में कोई कमी नहीं की।

वित्त मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि विपक्ष द्वारा कही जा रही "भूल सुधार" वाली बात निराधार है। उन्होंने कहा, "यह भूल सुधार नहीं, बल्कि जनता के हित में उठाया गया कदम है। कांग्रेस ने कभी जीएसटी को लागू करने की हिम्मत नहीं दिखाई थी, जबकि हमने न सिर्फ इसे मजबूत बनाया बल्कि जनता को राहत देने के लिए इसे लचीला भी किया।"

इस अवसर पर वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद थे। गोयल ने कहा कि "पहले इनकम टैक्स में छूट और अब जीएसटी कटौती, दोनों कदमों से अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। IMF ने भी भारत की ग्रोथ रेट का अनुमान 6.6% तक बढ़ा दिया है, जो यह दिखाता है कि दुनिया भारत की आर्थिक मजबूती को मान रही है।"

इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर से जुड़े आंकड़े भी उत्साहजनक हैं। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि "मोबाइल, टीवी, एसी जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की बिक्री में 20-25% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इससे रोजगार के नए अवसर खुल रहे हैं। आज इस क्षेत्र में 25 लाख से अधिक लोगों को सीधा रोजगार मिला हुआ है, और यह संख्या बढ़ने वाली है।"

सरकार ने नवरात्र से शुरू हुए "जीएसटी बचत उत्सव" को एक जन-जागरूकता अभियान का रूप दिया है। वित्त मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य उपभोक्ताओं को यह बताना है कि जीएसटी कटौती का लाभ सीधे उन्हें मिलना चाहिए। अगर कोई व्यापारी इसका फायदा खुद रख लेता है, तो यह उपभोक्ता अधिकारों का हनन है।

मंत्रालय ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे दुकानों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर वस्तुओं की कीमतों की तुलना करें और यदि उन्हें कर कटौती का लाभ नहीं मिल रहा है, तो तुरंत उपभोक्ता हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करें। सरकार ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि दोषी पाए जाने वाले व्यापारियों और कंपनियों पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर आपराधिक कार्रवाई भी की जाएगी।

सीमा पर फिर बरसे बम: पाकिस्तान के हवाई हमले से अफगानिस्तान में 3 क्रिकेटरों समेत 10 की मौत, टूटी शांति की डोर

(जीएनएस)। अफगानिस्तान। कार्तिक की शांत रात अचानक आग और चीखों में बदल गई जब पाकिस्तान की ओर से छोड़े गए बमों ने पक्तिका प्रांत की धरती को झुलसा दिया। दो दिन पहले ही घोषित युद्धविराम की मियाद खत्म होते ही सीमा पार से गोलाबारी शुरू हो गई, जिसने कुछ ही पलों में गांवों को राख में बदल दिया। इस हमले में 10 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 3 युवा क्रिकेटर भी शामिल थे जो उसी शाम गांव के मैदान में अभ्यास कर रहे थे। दर्जनों लोग घायल हैं, कई अब भी मलबे के नीचे दबे बताए जा रहे हैं।

तालिबान सरकार ने इस हमले को पाकिस्तान की "नीच हरकत" बताते हुए संघर्षविराम की शर्तों का उल्लंघन करार दिया है। तालिबान प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा, "पाकिस्तान ने हमारी शांति की पहल को कमजोर किया है। पक्तिका के तीन इलाकों—शकिन, गियान और बर्मल—पर लगातार बमबारी की गई। अब अफगानिस्तान जवाब देगा।" सरकारी सूत्रों ने बताया कि अधिकांश मारे गए लोग नागरिक थे, जिनमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं।

पाकिस्तान की तरफ से आए जवाब में स्थिति कुछ अलग पेश की गई। वहां के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह कार्रवाई "सटीक निशानेबाजी" थी, जो तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) से जुड़े आतंकी ठिकानों पर की गई। पाकिस्तान के अनुसार, हाल ही में वजीरिस्तान में हुए एक आत्मघाती हमले में उसके सात सैनिक मारे गए थे और 13 घायल हुए थे। उसी हमले के बाद यह 'आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई' थी।

लेकिन पक्तिका की धरती कुछ और कह रही है। वहां के अस्पतालों में

कराहते घायल, जले हुए मकान और टूटी हुई बल्लियाँ अब भी खामोश साक्षी बने हैं। गांव के क्रिकेट कोच रहमतुल्ला ने कहा, "हमारे बच्चे खेल के मैदान में थे। वे तो सिर्फ क्रिकेटर थे, आतंकवादी नहीं।" उनके शब्दों के साथ ही उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। इस दुखद घटना के बाद अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने तुरंत पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ अगले महीने होने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला से नाम वापस ले लिया। बोर्ड ने बयान जारी कर कहा, "जब मैदानों में खेल की जगह खून बहने लगे, तब क्रिकेट की भावना मर जाती है। अफगानिस्तान ऐसे हालात में किसी टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं बनेगा।"

सीमा पार की राजनीति अब फिर गरम हो गई है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि "धैर्य की सीमा पार होने के बाद पाकिस्तान को यह कदम उठाना पड़ा," लेकिन उन्होंने साथ ही यह भी जोड़ा कि "हम संघर्ष का स्थायी समाधान बातचीत से निकालना चाहते हैं।" वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वॉशिंगटन से बयान देते हुए कहा, "मुझे पता है कि दोनों देशों में तनाव है। यदि वे चाहें, तो मैं इस विवाद को सुलझाने में मदद कर सकता हूं। यह कोई मुश्किल काम नहीं है।"

पर शायद यह संघर्ष सिर्फ सीमा की रेखाओं का नहीं, बल्कि अविश्वास की उन दीवारों का है जो दशकों से दोनों देशों के बीच खड़ी हैं। पाकिस्तान को अपने भीतर बढ़ती आतंकी गतिविधियों का भय है, जबकि अफगानिस्तान अभी भी स्थायित्व की तलाश में है। दोनों ओर राजनीति और सुरक्षा के नाम पर उठाए गए कदमों ने आम जनता को ही कुचल दिया है।

हमले के अगले दिन पक्तिका की गलियों में सन्नाटा पसरा था। टूटी हुई दीवारों से झांकते बच्चों की आंखों में सवाल थे—किसकी जीत, किसकी हार? गांव का क्रिकेट मैदान अब राख का ढेर बन चुका है, जहां पहले बल्ले की आवाज गूंजती थी, अब सिर्फ हवा की सिसकियाँ सुनाई देती हैं।

युद्धविराम टूट गया, लेकिन उम्मीद अब भी कहीं भीतर धड़क रही है—कि शायद किसी दिन, इस राख से फिर क्रिकेट की आवाज उठेगी और दोनों देशों की सीमाएं नहीं, दिल जुड़ेंगे। तभी इस युद्ध की राख से शांति का कोई नया सवेरा जन्म ले सकेगा।

सबरीमाला मंदिर सोना चोरी मामला: एसआईटी ने मुख्य आरोपी के घर पर मारा छापा, जांच जारी

(जीएनएस)। तिरुवनंतपुरम। सबरीमाला मंदिर से कथित सोना चोरी के मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) की कार्रवाई लगातार जारी है। शनिवार को एसआईटी ने मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी के पुलिमठ स्थित आवास पर छापा मारा। टीम का नेतृत्व अधिकारी एस. सासिदरण कर रहे थे और दोपहर लगभग 3 बजे पहुंची। तलाशी के दौरान पोट्टी से संबंधित दस्तावेजों और डिजिटल उपकरणों की जांच की गई। इस कार्रवाई का उद्देश्य चोरी हुए सोने की पहचान करना और अन्य सबूत जुटाना बताया गया है। एसआईटी ने बताया कि पोट्टी को पहले रन्नी की न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने अपनी हिरासत में भेजा था। वर्तमान में वह तिरुवनंतपुरम स्थित क्राइम ब्रांच कार्यालय में पूछताछ के लिए रखा गया है। टीम पोट्टी से और पूछताछ करना चाहती है ताकि चोरी हुए सोने का पता लगाया जा सके, अन्य सबूत जुटाए जा सकें और मामले के अन्य आरोपी चिन्हित किए जा सकें। अधिकारियों ने कोर्ट को यह जानकारी भी दी कि पोट्टी को सबूत जुटाने के सिलसिले में अन्य राज्यों में भी ले जाया जाएगा।

एसआईटी का गठन केरल हाईकोर्ट के निर्देश पर किया गया था। यह दल दो अलग-अलग मामलों की जांच कर रहा है। पहला मामला मंदिर के द्वारपालक यानी रक्षक देवता की सोने की चढ़ाई वाली ताम्र प्लेटों से जुड़ा है, जिनमें कमी पाई गई थी। दूसरा मामला मुख्य गर्भगृह श्रीकोविल के दरवाजों से सोने की चोरी से संबंधित है। हाईकोर्ट ने नोट किया था कि 2019 में पोट्टी को प्लेटें इलेक्ट्रोप्लेटिंग के लिए दी गई थीं, जिसके बाद उनका वजन कम हो गया था।

संपादकीय

प्रदूषण की जवाबदेही

दिवाली मनाने के उत्साही लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दे दी है। इसके बावजूद स्वच्छ हवा बनाए रखने व प्रदूषण नियंत्रण के लिए हमारे संयम व जिम्मेदार व्यवहार की जरूरत होगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हमारी राष्ट्रीय राजधानी दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में शुमार है। दुनिया के बीस शीर्ष प्रदूषित शहरों में करीब आधे भारत में हैं। पर्व, आस्था व विश्वास अपनी जगह हैं, लेकिन प्राणवायु का स्वच्छ रहना लाखों लोगों के जीवन का प्रश्न भी है। यही वजह है कि दिल्ली-एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ दीपावली पर ग्रीन पटाखों की अनुमति देते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की नसीहत दी है, जिससे हमारी आस्था का सम्मान हो सके और पर्यावरण की रक्षा भी हो। निस्संदेह, कोर्ट के फैसले से वे लोग उत्साहित होंगे, जो ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति चाहते थे। लेकिन इसका एक पक्ष यह भी है कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग इससे निराश हो सकते हैं। पर्यावरण प्रेमियों की चिंता वाजिब है। अक्सर देखा जाता है कि ग्रीन पटाखे जलाने वालों पर नियामक एजेंसियां निगरानी नहीं रख पाती हैं। चिंता की बात यह भी है कि ग्रीन पटाखों के नाम पर घातक पटाखे भी जलाए जा सकते हैं। विगत के अनुभव बताते हैं कि अदालती रोक के बावजूद त्योहार पर जमकर आतिशबाजी हुई थी। दरअसल, कुछ लोगों की दलील थी कि पर्व विशेष पर ही प्रदूषण के नाम पर रोक लगाई जाती है, जिससे त्योहार का रंग फीका हो जाता है। कुछ लोगों ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न भी बना लिया। लेकिन सवाल यह है कि यह कैसे सुनिश्चित हो पाएगा कि ग्रीन पटाखों की आड़ में घातक पटाखे नहीं बेचे जा सकें। हमारी निगरानी करने वाली एजेंसियों व विभागों की कारगुजारियों पर अक्सर सवालिया निशान लगाए जाते हैं।

वैसे एक हकीकत यह भी है कि हर गली-मोहल्ले की दुकानों में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की निगरानी कर पाना व्यावहारिक भी नहीं है। इस बात को लेकर अक्सर बहस होती रही है कि परंपरागत रूप से दिवाली में पटाखों की अनिवार्यता नहीं रही है। निस्संदेह, दीप पर्व उजाले का उत्सव है, ताकि धरा पर कहीं अंधेरा न रह जाए, गरीब की झोपड़ी भी रोशन हो, समृद्धि हर घर तक पहुंचे। सही मायनों में पर्व सामूहिकता की भावना पर केंद्रित होते हैं। ऐसे में यदि हम घातक पटाखे जलाकर श्वास रोगों से पीड़ित मरीजों से लेकर आम आदमी को मुश्किल में डाल दें, तो यह पर्व का मर्म नहीं कहा जा सकता। वैसे ग्रीन पटाखों के बारे में भी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि उनके उत्पादन के दौरान निर्धारित मानकों का पालन किया गया हो। पटाखे जिस गुणवत्ता से बनते और बिकते हैं, कहना मुश्किल ही है कि वे वास्तव में पर्यावरण के अनुकूल होंगे। वैसे यह भी हकीकत है कि दिल्ली में हर साल ठंड की दस्तक के साथ बढ़ने वाले घातक प्रदूषण के लिए सिर्फ पटाखे ही जिम्मेदार नहीं होते। मौसम की प्रतिकूलता तथा जनसंख्या के बढ़ते घनत्व के कारण महानगरों में बहुमंजिला इमारतों के विस्तार से भी हवा का प्राकृतिक प्रवाह बाधित होता है, जिसके चलते प्रदूषण की परत दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी और निकटवर्ती शहरों के ऊपर छाई रहती है। निस्संदेह, पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम नागरिकों को भी पटाखों के सीमित व संयमित उपयोग के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के दिल्ली व एनसीआर में ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति देने के फैसले के आलोक में कहा जा सकता है कि शेष देश में भी प्रदूषण रोकने के लिए गंभीर पहल की जानी चाहिए। देश के कई अन्य बड़े शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में दर्ज हैं। वहीं दूसरी ओर केवल सर्दियों में ही प्रदूषण नियंत्रण की पहल नहीं की जानी चाहिए। यह साल भर निरंतर चलने वाली प्रक्रिया बननी चाहिए। इसके अलावा जरूरी है कि प्रदूषण फैलाने वाले अन्य कारकों पर नियंत्रण किया जाए। हम अक्सर पटाखे व पराली जलाने पर जिम्मेदारी डालकर अन्य प्रदूषण के कारकों को नज़रअंदाज कर देते हैं।

विवेक का इस्तेमाल कर अपना प्रतिनिधि चुने मतदाता

> नेताओं पर लगे आरोपों की जांच का काम अदालत का है, पर ऐसे नेताओं को समर्थन न देने का दायित्व और अधिकार मतदाता के पास ही है। इस अधिकार का ईमानदार उपयोग होना ही चाहिए। यह दायित्व भी मतदाता का ही बनता है कि वह अपने विवेक की छलनी का उपयोग करके आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को राजनीति से बाहर रखे।

अपराध अपराध ही होता है चाहे छोटा हो या बड़ा, लेकिन राजनीति की दुनिया में अपराध को अपराध ही नहीं माना जाता। जब भी किसी राजनेता पर कोई आरोप लगता है तो उसे राजनीति से प्रेरित बता दिया जाता है। बात यहीं नहीं रुकती। आरोप प्रमाणित हो जाने के बाद भी राजनेता अक्सर यही कहते रहते हैं कि उन्हें राजनीतिक कारणों से फंसाया जा रहा है। आज लालू-परिवार यही दुहरा रहा है। दिल्ली की एक अदालत में लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और पुत्र तेजस्वी के खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को सुनवाई के लायक घोषित कर दिया है। अब इस संदर्भ में मुकदमा चलेगा, कानूनी दांव-पेंच काम में लिए जाएंगे। कानूनी लड़ाई की एक लंबी चलने वाली एक और कहानी की शुरुआत है यह। लालू परिवार अपराधी है या नहीं, यह तो भविष्य ही बताएगा, पर आज जो सवाल पूछा जा रहा है वह यह है कि अदालत का यह निर्णय आज ही क्यों आया?

वैसे तो इसका उत्तर बहुत आसान है। मामला अदालत के विचाराधीन था, आज अदालत ने अपना निर्णय दे दिया। और यह सही भी है। पर अदालत के इस निर्णय के समय को लेकर बातें हो रही हैं। ऐसा नहीं है कि इस निर्णय का अर्थ लालू-परिवार को अपराधी मान लिया जाना होगा। यह तो आने वाला कल ही तय करेगा कि आरोप सही हैं या गलत, लेकिन इस हकीकत को तो स्वीकारना ही होगा कि हमारी राजनीति और अपराध में जब-तब एक रिश्ता दिखने लग जाता है। राजनीति से जुड़े आपराधिक मुकदमे लंबे चलते हैं, उतनी ही लंबी कहानी राजनीति और अपराध के रिश्तों की भी है। ये रिश्ते कभी प्रमाणित होते हैं, कभी नहीं होते। पर राजनीति और अपराध के रिश्तों से इंकार नहीं किया जा सकता।

Advertisement

कुछ ही अर्सा हुआ जब चुनाव-अधिकार संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स

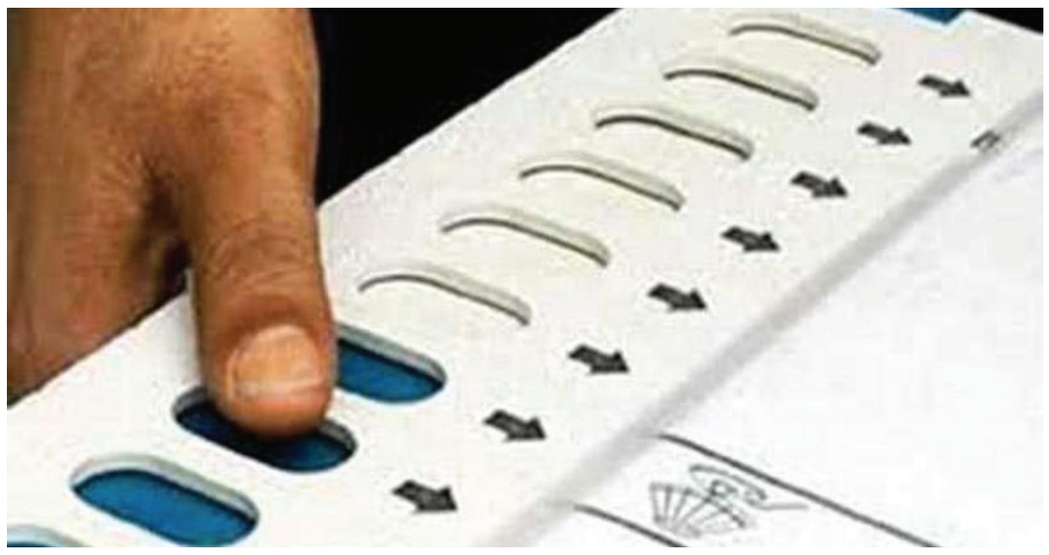

ने एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि देश के तीस मुख्यमंत्रियों में से चालीस प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले चलने की बात स्वीकारी है! यह सही है कि आपराधिक मामला होने का मतलब किसी का अपराधी होना नहीं होता, किसी को अपराधी घोषित करने के लिए उसका अपराध प्रमाणित होना चाहिए। पर गलत यह भी नहीं है कि सारे आरोपों को राजनीतिक कारणों से होने की बात को सहज ही नहीं स्वीकार किया जा सकता। चालीस प्रतिशत मुख्यमंत्रियों द्वारा आपराधिक मामले घोषित करना एक गंभीर बात है। ये सारे मामले छोटे-मोटे अपराधों वाले भी नहीं हैं। सब तरह के आरोप लगते हैं हमारे नेताओं पर, इनमें से लगभग आधे तो फौजदारी मुकदमे हैं। इसका मतलब है इन पर जो आरोप लगे हैं उनमें हत्या, बलात्कार, अपहरण जैसे गंभीर आरोप भी हैं।

Advertisement

सवाल सिर्फ मुख्यमंत्रियों तक ही सीमित नहीं है। गली-मोहल्ले के छुटभैये नेताओं से लेकर देश के सर्वोच्च पद पर बैठे नेता तक पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। यह हकीकत अपने आप में बहुत कुछ कह रही है कि आज लोकसभा के 543 सांसदों में से 251 पर, यानी आधे नेताओं पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से पच्चीस से अधिक को दोषी करार दिया जा चुका है! अपराध और राजनीति से जुड़े आंकड़े और भी बहुत कुछ कह रहे हैं। हरियाणा में दस सांसद हैं, इन पर दागदार सवाल हैं। छत्तीसगढ़ में भी यही हाल है। केरल में बीस में से उन्नीस सांसद आरोपों के घेरे में हैं। तमिलनाडु में 39 में से 36 सांसद आरोपी हैं। इसी तरह उड़ीसा में 21 में से 16, तेलंगाना में 17 में से 14, मध्य प्रदेश में 29 में से 9 सांसदों ने अपने घोषणापत्रों में यह स्वीकारा है कि उनके खिलाफ आरोपों के मामले चल रहे हैं। बात संसद तक ही सीमित नहीं है, विधानसभाओं, पंचायत, नगरपालिकाओं आदि सब जगह पर राजनेताओं के चेहरों पर भ्रष्टाचार की कालिख दिखाई देती है। ऐसा भी नहीं है कि किसी एक राजनीतिक दल के सदस्यों पर ही अपराध से जुड़े होने के आरोप लगते हैं। शायद ही कोई दल बचा होगा जो ईमानदारी से अपनी चादर के उजले होने का दावा कर सके। प्राप्त जानकारी के अनुसार 18वीं लोकसभा में भाजपा के 240 में से 94 सांसदों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, कांग्रेस के 99 में से 49 पर, समाजवादी पार्टी के 37 में से 21 पर, तृणमूल कांग्रेस के 29 में से 13, द्रमुक के 22 में से 13, शिवसेना के सात में से पांच सांसद आरोपों के घेरे में हैं। आंकड़े और भी बहुत से हैं जो यह प्रमाणित करते हैं कि हमारे राजनेताओं को इन आरोपों से कुछ फर्क नहीं पड़ता। लॉन्ड्री से धुले, कलफ लगे कपड़े पहनकर वे स्वयं को उजला राजनेता घोषित करते-फिरते हैं। एक बार मैंने महाराष्ट्र के एक विधायक से यह पूछा था कि वह दिन में कितनी बार कपड़े बदलते हैं तो उन्होंने खिसयानी हंसी हंसते हुए बताया था—चार-पांच बार तो बदलने ही पड़ते हैं। फिर मेरे पूछने पर यह भी बताया था कि इन कपड़ों की धुलाई पर पांच सौ रुपए तो खर्च ही हो जाते हैं। और मैं सोच रहा था, यह है देश के एक नेता का हाल जिसमें अस्सी करोड़ नागरिक दो समय की रोटी के लिए सरकार द्वारा बांटे जाने वाले पांच किलो अनाज पर निर्भर करते हैं! फिर जब इन उजले कपड़ों वाले राजनेताओं पर आरोपों की कालिख लगती है तो उनसे ज़्यादा स्वयं को अपने पर शर्म आती है कि हम किन और कैसे नेताओं को चुनकर अपना भाग्य उनके हाथों में सौंप देते हैं। आज जब कोई लालू-परिवार या कोई भी राजनेता, अपराध के आरोपों से घिरा दिखता है तो यह सवाल अनायास होता है कि आखिर इन नेताओं को प्रश्रय कौन दे रहा है? राजनीतिक दलों की यह कैसी मजबूरी है कि उन्हें दागी नेताओं को अपना उम्मीदवार चुनना पड़ता है और मतदाता की क्या मजबूरी है कि वे आरोपी-अपराधी नेताओं को अपना प्रतिनिधि चुनकर भेजते हैं?

मतदाता की विवशता वाला सवाल उठाना आज ज़्यादा ज़रूरी है। होगी कोई विवशता राजनीतिक दलों की भ्रष्ट व्यक्तियों को अपना उम्मीदवार बनाने की, पर क्या ज़रूरी है कि मैं किसी भ्रष्ट राजनेता को अपना वोट दूं? सन 1952 में देश में पहले चुनाव हुए थे। तब से लेकर आज तक लगभग तीन-चौथाई सदी में अपराध और राजनीति के नापाक रिश्ते लगातार उजागर हो रहे हैं। इन रिश्तों पर मतदाता की नज़र क्यों नहीं अटकती? अटकनी चाहिए। नेताओं पर लगे आरोपों की जांच का काम अदालत का है, पर ऐसे नेताओं को समर्थन न देने का दायित्व और अधिकार मतदाता के पास ही है। इस अधिकार का ईमानदार उपयोग होना ही चाहिए। यह दायित्व भी मतदाता का ही बनता है कि वह अपने विवेक की छलनी का उपयोग करके आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को राजनीति से बाहर रखे। सिर्फ अदालतों के भरोसे यह काम होने से रहा।

प्रेरणा

हृदय का संगीत – मीरा की भक्ति का अमर राग

कभी-कभी जीवन में ऐसे क्षण आते हैं जब संसार के सारे साधन छिन जाते हैं, पर भीतर की शक्ति तब भी अडिग रहती है। यह वही क्षण होता है जब ईश्वर से संबंध बाहरी उपकरणों से नहीं, आत्मा की गहराई से जुड़ता है। ऐसा ही एक अद्भुत प्रसंग मीरा बाई के जीवन में घटा, जो आज भी भक्ति की चरम सीमा का उदाहरण बनकर जीवंत है।

एक दिन सांझ के समय चित्तौड़ के मंदिर में दीपक झिलमिला रहे थे। मीरा बाई अपने प्रियतम श्रीकृष्ण के चरणों में बैठी थीं। वातावरण में चंदन की सुगंध घुली थी और मंदिर में केवल उनके स्वर की गूंज थी—कोमल, तन्मय और प्रेम से भरी हुई। उनके हाथों में सितार था और स्वर जैसे श्रीकृष्ण की मुरली से मिलन कर रहे थे। भक्ति का वह प्रवाह इतना प्रबल था कि लगता था जैसे स्वयं वृंदावन का नंदलाल उसी क्षण आकर उनके सामने खड़ा हो गया हो।

पर तभी, एक झटके से सितार का तार टूट गया। स्वर रुक गया, और मंदिर में बैठे कुछ लोग हल्का-सा हंस पड़े। किसी ने तंज किया—"अब तो तुम्हारा भजन अधूरा रह गया, मीरा! बिना बाजे के सुर कैसे पूरे होंगे?" यह सुनकर भी मीरा की

आंखों में कोई क्षोभ नहीं आया। उन्होंने टूटा हुआ सितार धीरे से एक ओर रख दिया। पलभर के लिए उन्होंने आंखें मूंद लीं, मानो भीतर के किसी गहरे स्रोत से नया स्वर खोज रही हों।

फिर उन्होंने अपने दोनों हाथ जोड़कर भजन गाना शुरू किया—बिना किसी वाद्य, बिना किसी संगत के। पर उनके स्वर में जो करुणा, प्रेम और समर्पण था, वह किसी भी संगीत वाद्य से अधिक गूंजदार था। उनकी आंखों से आंसू बह रहे थे, पर हर आंसू में भक्ति की ज्योति झलक रही थी। मंदिर का वातावरण ऐसा लगने लगा जैसे स्वयं श्रीकृष्ण उनकी वाणी में विलीन हो गए हों। हवा थम गई, दीपक स्थिर हो गए, और उपस्थित जनसमूह मौन होकर उस दिव्य संगीत को सुनता रहा।

जब भजन समाप्त हुआ, तो मंदिर में सन्नाटा था। मीरा ने सबकी ओर देखा और मधुर स्वर में कहा—"भक्तों, संगीत वाद्य से नहीं, हृदय से निकलता है। जब हृदय कृष्ण से जुड़ जाता है, तब टूटे तार भी साधन बन जाते हैं। साधन टूट जाएं तो क्या हुआ, प्रेम का तार यदि अटूट है, तो वही सच्चा संगीत है। भक्ति का सुर तब ही शुद्ध होता है, जब वह मनुष्य के भीतर से उठे, न कि किसी बाहरी स्वर से।"

उनकी बातें सुनकर सब लोग निशब्द रह गए। जो पहले हंसे थे, वे अब उनके चरणों में सिर झुकाए खड़े थे। किसी ने कहा—"सच है, मीरा, तुम्हारा हृदय ही सच्चा वीणा है, जिसके तार कभी नहीं टूटते।"

उस दिन से चित्तौड़ में यह कहावत फैल गई कि "मीरा का सितार टूट सकता है, पर उसका संगीत कभी नहीं।" क्योंकि मीरा का संगीत उस जगत के तारों से नहीं, आत्मा के तारों से झंकृत होता था—जहां प्रेम ही लय है, और कृष्ण ही स्वर।

मीरा बाई ने संसार को यह सत्य समझाया कि जब भक्ति हृदय की गहराइयों से प्रवाहित होती है, तब वह किसी साधन या परिस्थिति की मोहताज नहीं रहती। जिस दिन मनुष्य का प्रेम निष्काम हो जाता है, उसी दिन उसका हर शब्द, हर सांस, हर धड़कन एक भजन बन जाती है। यही है "हृदय का संगीत"—जो न कभी टूटा, न कभी थमा, और सदा-सर्वदा श्रीकृष्ण के नाम से गूंजता रहा।

नरक चतुर्दशी पर दीपदान से होता है आध्यात्मिक जागरण और अंधकार का अंत

दीपावली के पवित्र पर्व से एक दिन पूर्व आने वाली नरक चतुर्दशी केवल 'छोटी दीपावली' नहीं, बल्कि मानव आत्मा के अंधकार से प्रकाश की ओर आरोहण की दिव्य यात्रा है। इसे रूप चौदस, काली चौदस और यम दीपदान पर्व के रूप में भी जाना जाता है। यह दिन केवल एक धार्मिक तिथि नहीं, बल्कि ब्रह्मांडीय ऊर्जा के परिवर्तन का वह क्षण है जब देवता, दानव और मानव — तीनों लोकों में प्रकाश का संचार होता है। इस वर्ष कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी 19 अक्टूबर 2025 (रविवार) को मनाई जाएगी, और अभ्यंग स्नान का शुभ मुहूर्त अगले दिन 20 अक्टूबर की भोर में रहेगा।

किंवदंती कहती है कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने दैत्य नरकासुर का वध किया था, जिसने अपने अहंकार में स्वर्गलोक तक को भयभीत कर दिया था और 16,000 देवकन्याओं को बंदी बनाकर रखा था। जब भगवान कृष्ण ने उसका वध किया, तो संसार ने पहली बार 'नरक से मुक्ति' का उत्सव मनाया। उसी क्षण पृथ्वी पर प्रकाश फैल गया और देवताओं ने पुष्पवर्षा की। इसीलिए इस दिन को "अंधकार पर प्रकाश की विजय" के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है।

कहा जाता है कि नरकासुर के वध के पश्चात जब भगवान श्रीकृष्ण अपने गृह लौटे, तो उनकी देह पर दैत्यों के रक्त के छींटे पड़े थे। श्रीकृष्ण ने प्रातः काल तेल से अभ्यंग स्नान किया और शरीर पर हल्दी, चंदन और तिल का लेप लगाया। तभी से इस दिन तेल स्नान की परंपरा शुरू हुई, जिसे अभ्यंग स्नान कहा जाता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति इस दिन सूर्योदय से पहले तिल तेल के अभ्यंग स्नान का विधान करता है, वह नरक के भय से मुक्त होता है और उसके समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं।

धार्मिक शास्त्रों में कहा गया है —

"मृत्युना पाशदण्डाभ्यां कालेन च मया सह,
या त्रयोदश्यां दीपदानात् सूर्यजः प्रीयतामिति॥"

अर्थात् – जो नरक चतुर्दशी की रात्रि को यमराज के नाम से दीपदान करता है, उसके जीवन में अकाल मृत्यु का भय समाप्त होता है और सूर्यदेव भी प्रसन्न होते हैं।

इस रात मिट्टी का चौमुखी दीपक बनाकर उसमें सरसों का तेल भरकर चारों दिशाओं में चार बत्तियाँ रखी जाती हैं। इसे 'यम दीप' कहा जाता है। यह दीप घर के मुख्य द्वार के बाहर दक्षिण दिशा की ओर रखा जाता है, क्योंकि दक्षिण दिशा यमलोक की मानी जाती है। घर के सबसे वरिष्ठ सदस्य को यह दीप स्वयं प्रज्वलित करना चाहिए और दीप जलाने के बाद उसे पलटकर नहीं देखना चाहिए। ऐसा करने से समस्त पारिवारिक पितृदोष, रोग, भय और अकाल मृत्यु के योग नष्ट हो जाते हैं।

कहते हैं कि इस रात जब दीप जलता है, तब यमराज स्वयं उस घर के द्वार पर नहीं आते जहाँ यम दीप टिमटिमा रहा होता है। वे केवल उस घर के आंगन में खड़े होकर प्रसन्न भाव से कहते हैं — "यह गृह मेरे संरक्षण में है।" इस प्रकार यह दीप मृत्यु पर जीवन की विजय का प्रतीक बन जाता है। काली चौदस के रूप में इस दिन का एक अन्य रूप भी है। माना जाता है कि इस रात देवी काली अपने उग्र स्वरूप में प्रकट होकर नकारात्मक ऊर्जाओं, भूत-प्रेत और तंत्र-मंत्र की अशुद्ध शक्तियों का संहार करती हैं। इसीलिए दक्षिण भारत में इसे काली पूजा के रूप में भी मनाया जाता है। भक्त इस दिन लाल गुड़हल के फूल, काजल और काले तिल का प्रसाद अर्पित करते हैं और "ॐ क्रीं कालिकायै नमः" मंत्र का जप करते हैं। यह साधना व्यक्ति के भीतर की भय और अज्ञान रूपी अंधकार को नष्ट करती है और चेतना को प्रकाशित करती है।

पुराणों में एक और कथा आती है। जब भगवान वामन ने राजा बलि से भिक्षा में तीन पग भूमि मांगी, तो पहले पग से उन्होंने पृथ्वी नाप ली, दूसरे से आकाश, और तीसरे पग के लिए बलि ने अपना सिर अर्पित कर दिया। उस समय बलि का अहंकार नष्ट हुआ और उसे मोक्ष प्राप्त हुआ। उसी घटना की स्मृति में काली चौदस पर लालच और अहंकार को त्यागने का संकल्प लिया जाता है।

इस दिन कुछ विशेष योग भी बन रहे हैं — सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग और इंद्र योग, जो किसी भी शुभ कार्य की सफलता के लिए अत्यंत फलदायी माने जाते हैं। इन योगों में किया गया दीपदान, मंत्र जाप या काली पूजा हजारगुना फल देता है।

पंडितों के अनुसार नरक चतुर्दशी के दिन स्नान के समय शरीर पर तिल का तेल लगाना, तिल के बीजों का उबटन बनाना और शुद्ध जल से स्नान करना अत्यंत शुभ है। इससे न केवल बाह्य शरीर शुद्ध होता है, बल्कि आंतरिक चेतना भी निर्मल होती है। अभ्यंग स्नान के पश्चात जब व्यक्ति दीप जलाता है, तो उसके भीतर की तमसिक प्रवृत्तियाँ जलकर नष्ट हो जाती हैं और सतोगुण प्रबल होता है। यही है आध्यात्मिक जागरण का आरंभ।

इस दिन हनुमान जी की बाललीला का स्मरण करना भी अत्यंत शुभ माना गया है। जब वे बाल्यकाल में सूर्य को फल समझकर निगल गए थे, तब सम्पूर्ण संसार अंधकार में डूब गया। उस दिन भगवान इंद्र ने वज्र से हनुमान पर प्रहार किया, जिससे सूर्य मुक्त हुआ और पुनः प्रकाश फैला। इसलिए यह दिन उस "प्रकाश की वापसी" का भी प्रतीक है।

नरक चतुर्दशी केवल एक पूजा-व्रत नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक अनुष्ठान है — जिसमें शरीर की शुद्धि, मन की निर्मलता और आत्मा की चेतना का संगम होता है। इस दिन जब दीपक जलते हैं, तो वे केवल घरों को नहीं, बल्कि आत्माओं को भी आलोकित करते हैं। दीप का यह प्रकाश अज्ञान रूपी अंधकार को भेदता है और मनुष्य को यह स्मरण कराता है कि वास्तविक नरक हमारे भीतर की नकारात्मकता है, और वास्तविक स्वर्ग वह है जब हमारे भीतर भक्ति, दया और प्रकाश का वास होता है।

इस प्रकार नरक चतुर्दशी का दीपक केवल अंधकार मिटाने का साधन नहीं, बल्कि आत्मा के शुद्धिकरण का प्रतीक है। जब कोई व्यक्ति सच्चे भाव से यम दीप जलाता है, देवी काली की आराधना करता है और भगवान श्रीकृष्ण के नरकासुर-वध का स्मरण करता है, तब उसके जीवन के सारे बंधन टूट जाते हैं और वह अंधकार से आलोक की ओर यात्रा करता है।

अभियान

धनतेरस का अद्भुत रहस्य: भगवान धन्वंतरि के अमृत कलश से झरता स्वास्थ्य और संपन्नता का वरदान

जब सृष्टि के आरंभिक युगों में देवता और दानव दोनों ही अमरत्व की खोज में थे, तब ब्रह्मांड में एक अभूतपूर्व घटना घटित हुई—समुद्र मंथन। उस दिव्य क्षण में जब मंदार पर्वत को मथनी और वासुकी नाग को रस्सी बनाया गया, तब क्षीर सागर में छिपे अनगिनत रत्न एक-एक कर प्रकट होने लगे। लक्ष्मी, कामधेनु, ऐरावत, पारिजात, चंद्रमा, विष, और अंततः वह क्षण आया जब स्वर्णमय प्रभा से आलोकित एक दिव्य पुरुष प्रकट हुए—चतुर्भुज, तेजोमय, आभामंडल से घिरे भगवान धन्वंतरि। उनके एक हाथ में अमृत कलश, दूसरे में औषधि, तीसरे में शंख और चौथे में चक्र सुशोभित थे। वही दिन था कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी — जो आज धनतेरस कहलाती है।

इस दिन का महत्व केवल धन की वृद्धि तक सीमित नहीं है, यह जीवन और चेतना की शुद्धता का उत्सव है। हमारे मनीषियों ने सदियों पहले ही यह जान लिया था कि संसार की समस्त माया भी व्यर्थ है यदि शरीर रोगग्रस्त हो। अतः उन्होंने इस तिथि को धन्वंतरि का दिवस घोषित किया, ताकि प्रत्येक मानव यह समझ सके कि सबसे बड़ा धन है – स्वास्थ्य।

भगवान धन्वंतरि को आयुर्वेद का जनक कहा जाता है। कहा जाता है कि स्वयं ब्रह्मा जी ने सर्वप्रथम आयुर्वेद की रचना की थी, जिसमें एक लाख श्लोक और सहस्त्र अध्याय थे। ब्रह्मा ने यह ज्ञान अश्विनी कुमारों को दिया, जिन्होंने इसे इंद्र को सिखाया, और इंद्र ने यह दिव्य विद्या भगवान धन्वंतरि को प्रदान की। धन्वंतरि ने इस ज्ञान को सुव्यवस्थित किया और मनुष्यजाति के कल्याण के लिए पृथ्वी पर स्थापित किया। उनसे आगे यह विद्या महर्षि भारद्वाज तक पहुँची और फिर विश्व के प्रथम शल्य चिकित्सक सुश्रुत तक पहुँची। यही सुश्रुत आगे चलकर 'सुश्रुत संहिता' के रचयिता बने।

पुराणों में उल्लेख मिलता है कि भगवान विष्णु ने धन्वंतरि से कहा था — "यद्यपि तुम्हें देवताओं की पूजा के पश्चात प्रकट होने में विलंब हुआ, परंतु द्वापर युग में तुम राजकुल में जन्म लोगे और तीनों लोकों में पूज्य बनोगे।" यही वरदान फलित हुआ जब द्वापर युग में काशी नरेश राजा काश के पुत्र धन्व के वंश में भगवान धन्वंतरि का अवतार हुआ। उन्होंने पुनः आयुर्वेद को आठ अंगों में विभाजित कर मानवता को वह अमृत प्रदान किया जो शरीर ही नहीं, आत्मा को भी स्वस्थ करता है।

कहते हैं कि जब भगवान शिव ने संसार के कल्याण हेतु हलाहल विष का पान किया, तब वही भगवान धन्वंतरि थे जिन्होंने उन्हें अमृत का पान कराया। उस अमृत की कुछ बूंदें काशी की भूमि पर गिरीं और तभी से वह भूमि अविनाशी बन गई। इसीलिए काशी को मोक्षदायिनी और अनंत स्वास्थ्य की नगरी कहा जाता है।

धनतेरस केवल पूजा का पर्व नहीं, यह आरोग्य और समृद्धि का द्वार है। इस दिन जब दीप जलाए जाते हैं, तो वह केवल अंधकार को मिटाने के लिए नहीं होते, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के रोगों को दूर करने की प्रतीक लौ होते हैं। लोग इस दिन नए बर्तन, सोना-चांदी, झाड़ू या तांबे के पात्र खरीदते हैं, किंतु इन सबके पीछे छिपा अर्थ यही है कि जिस घर में स्वच्छता और स्वास्थ्य की प्रतिष्ठा होती है, वहीं सच्ची लक्ष्मी का वास होता है।

भगवान धन्वंतरि की पूजा इस दिन विशेष रूप से करनी चाहिए। उनके चित्र या मूर्ति के समक्ष दीपक जलाकर 'ॐ नमो भगवते धन्वंतरये अमृतकलश हस्ताय सर्वभय विनाशनाय सर्वरोग निवारणाय त्रैलोक्यनाथाय श्री महाविष्णवे नमः' मंत्र का जप करने से शरीर के रोग शांत होते हैं और जीवन में दीर्घायु की प्राप्ति होती है।

कहते हैं, जो व्यक्ति इस दिन भगवान धन्वंतरि का पूजन करता है, उसे केवल स्वास्थ्य ही नहीं, अपार धन और सौभाग्य की भी प्राप्ति होती है। क्योंकि जहां रोग नहीं, वहीं धन और संतोष का वास होता है। यही कारण है कि भारत में यह परंपरा अब भी जीवित है कि धनतेरस पर धन्वंतरि का चित्र घर में स्थापित किया जाए।

पंडित गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के प्रेरक बड़े वैद्य जी की स्मृति में आज तक देश-विदेश में तीस हज़ार से अधिक परिवारों को भगवान धन्वंतरि का चित्र भेंट किया जा चुका है, ताकि हर घर में आयुर्वेद और स्वास्थ्य की ज्योति प्रज्वलित रहे। यह केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि मानवता को पुनः उस सत्य की ओर लौटाने का प्रयास है जो कहता है — "धन से पहले तन का, और तन से पहले मन का उपचार आवश्यक है।"

धनतेरस का यह पर्व हमें याद दिलाता है कि सोना-चाँदी की चमक से बड़ी है जीवन की साँसों की लौ, और वह लौ तभी दीप्तिमान रहती है जब हम भगवान धन्वंतरि की करुणा और आयुर्वेद की मर्यादा को अपनाते हैं। इसलिए जब दीपावली से पूर्व संध्या में दीपक जलाएं, तो मन ही मन कहें —

"हे देव वैद्य धन्वंतरि! हमें ऐसा जीवन दो जिसमें रोग न हो, लोभ न हो, केवल प्राणों में आरोग्य और आशीर्वाद की शांति हो।"

यही धनतेरस का सच्चा अर्थ है — जब धन केवल तिजोरी में नहीं, बल्कि हृदय की हर धड़कन में बहता है।

RNI No. GUJHIN/2011/39228 Printed, Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004
(2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002. (3) HADIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002
and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH

गुजरात के साबरकांठा में मंदिर विवाद ने भड़काई हिंसा, 100 से अधिक गाड़ियों में तोड़फोड़ और 8 घायल

(जीएनएस)। साबरकांठा। गुजरात के साबरकांठा जिले के प्रांतिज क्षेत्र के माजरा गांव में शुक्रवार को मंदिर के प्रशासन को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस के अनुसार, इस झड़प में सात से आठ लोग घायल हुए और लगभग 100 से अधिक वाहनों को नुकसान पहुंचा। घटनास्थल पर आए गुस्साए लोगों ने पथराव किया, वाहनों में आग लगाई और घरों में तोड़फोड़ की, जिससे पूरे इलाके में तनाव और भय का माहौल फैल गया।

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, हिंसक झड़प में 26 कारें, 6 टेंपो, 3 ट्रैक्टर और 50 से अधिक बाइक को नुकसान पहुंचा। इसके साथ ही 10 से अधिक घरों में तोड़फोड़ की गई और कई वाहनों में आग लगा दी गई। घटना के दौरान कुछ लोग हाथों में लाठी-डंडे लेकर एक-दूसरे पर दौड़ते और पत्थर फेंकते दिखे। हिंसा के कारण गांव में कई स्थानों पर डर का माहौल पैदा हो गया, जिससे आसपास के लोग घरों में ही कैद हो गए।

पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए साबरकांठा के एसपी, डीवाईएसपी, एलसीबी और एसओजी की टीम को गांव में तैनात किया। पुलिस ने फिलहाल स्थिति काबू में होने का दावा किया और 25 लोगों को हिरासत में लिया। प्रशासन ने गांव में शांति बनाए रखने और नागरिकों से धैर्य रखने की अपील की।

स्थानीय लोगों के अनुसार, विवाद मंदिर के प्रशासन और धार्मिक कार्यक्रम को लेकर पिछले कई वर्षों से चल रहा था। शुक्रवार को आयोजित धार्मिक आयोजन के दौरान दो गुट आमने-सामने आ गए, जिससे झड़प भड़क गई। पथराव और आगजनी की घटनाओं के कारण घायल हुए लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

स्थानीय प्रशासन का कहना है कि उन्होंने गांव में सुरक्षा बढ़ा दी है और घटनास्थल पर लगातार निगरानी रखी जा रही है ताकि हिंसा और न फैले। प्रशासन यह सुनिश्चित करने में जुटा है कि किसी बड़ी दुर्घटना या पुनः हिंसक स्थिति को रोका जा सके।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटना धार्मिक स्थलों और प्रशासनिक विवादों के चलते उत्पन्न होने वाले तनाव को उजागर करती है। वहीं, स्थानीय प्रशासन और पुलिस के लिए यह चुनौती बनी हुई है कि वे न केवल हालात को काबू में रखें बल्कि भविष्य में ऐसी हिंसा को रोकने के लिए सख्त कदम उठाएं।

इस घटना ने पूरे जिले में चिंता बढ़ा दी है और प्रशासन को यह संदेश दिया है कि धार्मिक स्थलों और सामाजिक-सांस्कृतिक आयोजनों के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम करना बेहद जरूरी है। साथ ही स्थानीय लोगों से अपील की जा रही है कि वे किसी भी प्रकार के उकसावे या अफवाह पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

अहमदाबाद में परिवारिक विवाद का खौफनाक मंजर, सास ने दामाद की हत्या कर पूरे इलाके में फैलाई सनसनी

(जीएनएस)। अहमदाबाद के नारोल इलाके से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। जानकारी के अनुसार, यह घटना पारिवारिक विवाद के चलते हुई, जिसमें मामूली झगड़ा अचानक खून-खराबे में बदल गया। घटना का केंद्र दीनाबेन वेगड़ा और उनके दामाद परेशभाई लांभा रहे, जिनके बीच हुए विवाद ने पूरे इलाके को दहशत में डाल दिया।

पुलिस के मुताबिक, 27 वर्षीय अंजलि परेशभाई लांभा की शादी साल 2019 में हुई थी। बीते हफ्ते अंजलि और परेशभाई के बीच ससुराल में झगड़ा हुआ, जिसके बाद अंजलि अपने मायके नारोल चली गई। पति परेशभाई अपनी पत्नी को वापस लाने के लिए 17 अक्टूबर की शाम अपने दोस्त जिग्नेश श्रीमाली के साथ बाइक पर नारोल पहुंचे। वहां उन्होंने अपनी सास दीनाबेन से कहा कि "अपनी बेटी को मेरे घर क्यों नहीं भेजती?" इस सवाल पर दोनों के बीच बहस हुई और मामला हिंसक हो गया। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, गुस्से में परेशभाई ने कथित रूप से हथियार निकालकर अपनी सास पर हमला करने की कोशिश की। इस पर दीनाबेन ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और पास रखी ईंट से उनके सिर पर जोरदार वार किया। ईंट लगते ही परेश नीचे गिर पड़े, जिसके बाद दीनाबेन ने लकड़ी के डंडे से कई बार वार किया। गंभीर रूप से घायल परेश को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद दोनों पक्षों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। बेटी अंजलि ने अपनी मां के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया, जबकि दीनाबेन ने अपने दामाद के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की शिकायत की। पुलिस ने दीनाबेन को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है। नारोल इलाके में इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई। पड़ोसियों का कहना है कि अंजलि और परेशभाई के बीच पहले भी झगड़े होते रहते थे, लेकिन यह विवाद इतना गंभीर और हिंसक था कि इलाके के लोग स्तब्ध रह गए। पुलिस का कहना है कि मामले की हर एंगल से जांच की जाएगी और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट तथा गवाहों के बयान के आधार पर सच्चाई सामने लाई जाएगी। पुलिस ने साफ किया है कि किसी को भी कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं है। अधिकारी बता रहे हैं कि यह मामला आत्मरक्षा और जानबूझकर हत्या के दोनों पहलुओं से जुड़ा हो सकता है, इसलिए जांच पूरी गंभीरता और निष्पक्षता से की जा रही है। इस घटना ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस के लिए भी एक चेतावनी बना दी है कि पारिवारिक विवादों और घरेलू झगड़ों पर समय रहते ध्यान देना जरूरी है, ताकि ऐसी हिंसा को रोका जा सके।

पंजाब पुलिस के DIG हरचरण सिंह भुल्लर निलंबित, रिश्वत मामले में गिरफ्तार ; घर से मिला भारी खजाना

(जीएनएस)। चंडीगढ़ से बड़ी खबर सामने आई है, जिसमें पंजाब पुलिस के पुलिस उप महानिरीक्षक (रोपड़ रेंज) हरचरण सिंह भुल्लर को रिश्वत लेने के गंभीर आरोपों के चलते गिरफ्तार किया गया और उसी दिन उन्हें निलंबित कर दिया गया। भुल्लर की गिरफ्तारी 16 अक्टूबर को सीबीआई ने की थी, और 17 अक्टूबर को एक स्थानीय सीबीआई अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

भुल्लर पर आरोप है कि उन्होंने फतेहगढ़ साहिब के मंडी गोबिंदगढ़ के एक कबाड़ व्यापारी से 2023 में दर्ज एफआईआर को 'निपटाने' के लिए मासिक भुगतान की मांग की थी। शिकायतकर्ता आकाश बत्ता ने आरोप लगाया कि यदि उन्होंने भुगतान नहीं किया, तो उनके व्यवसाय के खिलाफ झूठे मामले दर्ज कराए जाएंगे। शिकायत में कहा गया कि डीआईजी भुल्लर ने अपने बिचौलिए के माध्यम से कुल आठ लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी, जिसे स्थानीय रूप से 'सेवा-पानी' कहा जाता है।

सीबीआई ने भुल्लर के मोहाली स्थित आवास पर छापेमारी की, जिसमें कथित तौर पर पांच करोड़ रुपये नकद, 1.50 किलोग्राम आभूषण, अचल संपत्तियों के दस्तावेज, दो लक्जरी वाहन की चाबियां, 22 लक्जरी घड़ियां, लॉकर की चाबियां, 40 लीटर आयातित शराब, एक दोनाली बंदूक, एक पिस्तौल, एक रिवॉल्वर और एयरगन समेत कई कारतूस बरामद किए। इस दौरान भुल्लर के बिचौलिए किरशानु को भी गिरफ्तार किया गया, और उसके पास से 21 लाख रुपये बरामद किए गए।

भुल्लर को नवंबर 2024 में डीआईजी (रोपड़ रेंज) नियुक्त किया गया था। रोपड़ रेंज में मोहाली, रूपनगर और फतेहगढ़ साहिब जिले शामिल हैं। हरचरण सिंह भुल्लर पंजाब के पूर्व पुलिस महानिदेशक एम.एस. भुल्लर के पुत्र हैं।

घटना ने पंजाब पुलिस में हलचल मचा दी है, और सीबीआई इस मामले की जांच पूरी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि कानून के किसी भी उल्लंघन को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे आरोपी कोई भी पद पर क्यों न हो। इस मामले की निष्पक्ष जांच के बाद ही सच्चाई सामने आएगी और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फियो ने भारतीय निर्यातकों की अंतर्राष्ट्रीय खरीद के अवसरों तक पहुँच बढ़ाने के लिए वैश्विक निविदा सेवाएँ (जीटीएस) शुरू की

(जीएनएस)। नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 2025: फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (फियो) धनतेरस के पावन अवसर पर गर्व से अपनी नवीनतम प्रमुख पहल - वैश्विक निविदा सेवाएँ (जीटीएस) का अनावरण कर रहा है - यह एक परिवर्तनकारी कदम है जिसका उद्देश्य भारतीय निर्यातकों, विशेष रूप से एमएसएमई की वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करना है। फियो द्वारा विकसित और प्रबंधित, जीटीएस अब भारतीय व्यापार पोर्टल पर उपलब्ध है, जो व्यापार संबंधी जानकारी और सुविधा के लिए भारत का वन-स्टॉप प्लेटफ़ॉर्म है।

जीटीएस एक सदस्यता-आधारित, रीयल-टाइम निविदा एकत्रीकरण प्लेटफ़ॉर्म है जो भारतीय व्यवसायों को प्रतिदिन 15,000 से अधिक लाइव अंतर्राष्ट्रीय निविदाओं तक पहुँच प्रदान करता है, जो 150 से अधिक देशों के 8,000 से अधिक सत्यापित चैनलों से प्राप्त होती हैं। प्रमुख विकास बैंकों से लेकर सरकारी एजेंसियों, पीपीपी निकायों, बहुपक्षीय संस्थानों और वैश्विक निगमों तक, जीटीएस भारतीय निर्यातकों को उन खरीद अवसरों से सीधे जोड़ता है जो पहले बिखरे हुए, अस्पष्ट या पहुँच से बाहर थे।

जीटीएस उच्च-अवसर वाले क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला में फैला हुआ है - जिसमें बुनियादी ढाँचा, आईटी, फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि, खाद्य उत्पाद, परामर्श, वित्त, आदि शामिल हैं। यह सुनिश्चित करते हुए कि निर्यातकों को केवल विश्वसनीय और कार्रवाई योग्य लीड प्राप्त हों, यह विश्व बैंक, एडीबी, यूनिसेफ, यूएसएआईडी जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं और वैश्विक स्तर पर विभिन्न राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय खरीद निकायों से अवसर प्राप्त करता है। स्मार्ट फ़िल्टर, क्षेत्र और क्षेत्र-विशिष्ट डैशबोर्ड और एआई-संचालित खोज क्षमताओं के साथ, जीटीएस उपयोगकर्ताओं को वैश्विक निविदा अवसरों को तेज़ी और सटीकता के साथ ट्रैक करने, शॉर्टलिस्ट करने और उन पर कार्रवाई करने में सक्षम बनाता है। इसे न केवल जानकारी देने के लिए, बल्कि वैश्विक बोली की लागत और जटिलता को कम करने और सफलता दर में उल्लेखनीय सुधार करने के लिए और सशक्त बनाने के लिए भी डिज़ाइन किया गया है।

जीटीएस का शुभारंभ विशेष महत्व रखता है क्योंकि भारत , विशेष रूप से भारत-ब्रिटेन के व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) के तहत, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार वार्ताओं में अपनी भागीदारी को गहरा कर रहा है। पहली बार, भारत ने अपने सरकारी खरीद क्षेत्र को एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत खोला है - यह एक बड़ा नीतिगत बदलाव है जो भारतीय व्यवसायों को ब्रिटेन सरकार के खरीद अवसरों तक पारस्परिक पहुँच भी प्रदान करता है। इस विकसित होते परिदृश्य में, जीटीएस एक डिजिटल सेवा से कहीं अधिक है - यह एक रणनीतिक उपकरण बन गया है। जैसे-जैसे भारत अन्य व्यापार भागीदारों के साथ समान प्रावधानों पर बातचीत करता है, भारतीय निर्यातकों को विदेशी खरीद प्रणालियों में मजबूत, वास्तविक समय की दृश्यता की आवश्यकता होगी। जीटीएस उन्हें वैश्विक स्तर पर उभरती सरकारी निविदाओं का लाभ उठाने, जटिल बोली इकोसिस्टम को नेविगेट करने और विकसित हो रही व्यापार प्रतिबद्धताओं के साथ तालमेल बिठाने में सक्षम बनाता है।

फियो के महानिदेशक एवं सीईओ डॉ अजय सहाय ने इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए कहाः "धनतेरस पर जीटीएस का शुभारंभ नई शुरुआत और समृद्धि का प्रतीक है। यह केवल एक मंच नहीं है – यह भारतीय निर्यातकों के लिए दुनिया का प्रवेश द्वार है। वैश्विक निविदाओं तक पहुँच को खोलकर, जीटीएस हमारे व्यवसायों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी, आत्मविश्वास और सटीकता के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाता है। यह डिजिटल, डेटा-संचालित युग के लिए भारत की निर्यात रणनीति को नया रूप देने में एक महत्वपूर्ण कदम है।"

फियो सभी क्षेत्रों के निर्यातकों को https://tenders.indiantradeportal.in पर निःशुल्क परीक्षण के लिए साइन अप करके जीटीएस की शक्ति का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करता है।

यह पहल भारतीय निर्यातकों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने, उनकी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने और उन्हें तेजी से परस्पर जुड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था में अवसरों का लाभ उठाने में मदद करने के फियो के निरंतर मिशन को मजबूत करती है।

हाथरस: लिव इन रिलेशनशिप में महिला की हत्या करने वाले को उम्रकैद की सजा

(जीएनएस)। हाथरस। हाथरस की अपर सत्र न्यायाधीश हर्ष अग्रवाल ने लिव इन रिलेशनशिप में रह रही महिला की हत्या के मामले में आरोपी प्रदीप शर्मा को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके अलावा अदालत ने आरोपी पर 55 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया, जिसे न चुकाने की स्थिति में अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

मामले के अनुसार, 35 वर्षीय महिला अपने पति से अलग होकर नानी के घर रह रही थी। इसी दौरान उसकी जान-पहचान गांव दयानतपुर निवासी प्रदीप शर्मा से हुई और दोनों लगभग तीन वर्षों तक पति-पत्नी की तरह साथ रहे। प्रदीप ने महिला से वादा किया था कि वह उसके बच्चों की पढ़ाई और शादी की जिम्मेदारी उठाएगा।

घटना 4 सितंबर 2021 की शाम हुई। महिला घर नहीं थी, तब प्रदीप ने उसे फोन कर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी। रात को वह महिला को अपने घर ले गया और अगले दिन सुबह 7:30 बजे उसे गोली मार दी। गंभीर हालत में महिला को बागला अस्पताल ले जाया गया, जहां से अलीगढ़ रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने महिला की बेटी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया और विवेचना के बाद न्यायालय में आरोपपत्र दायर किया। पूरे मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने प्रदीप शर्मा को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई। यह सजा इस बात का संदेश भी है कि लिव इन रिलेशनशिप या किसी भी व्यक्तिगत विवाद में हिंसा और हत्या को कानून कभी नहीं बर्दाश्त करेगा।

अहमदाबाद स्टेशन पर भारी भीड़ प्रबंधन में अहमदाबाद मंडल की सफल तैयारी

(जीएनएस)। अहमदाबाद के स्थानीय उद्योगों द्वारा बोनस वितरण के कारण अचानक उत्तर/पूर्व दिशा की ओर जाने वाले यात्रियों की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई। अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर लगभग 20,000 अतिरिक्त यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस अप्रत्याशित चुनौती का पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल ने कुशलतापूर्वक सामना किया और एक सुव्यवस्थित तथा सुरक्षित भीड़ प्रबंधन योजना का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया।

यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए लगभग 1.5 किलोमीटर लंबा एकदिशीय मार्ग (Unidirectional route) तैयार किया गया और स्टेशन परिसर में एक बड़ा होल्डिंग एरिया विकसित किया गया। पूर्व दिशा की ओर जाने वाली सभी ट्रेनों का संचालन विशेष रूप से प्लेटफॉर्म नंबर 8 से किया गया, जिससे भीड़ को नियंत्रित तरीके से प्रवेश और निर्गमन का अवसर मिला।

ट्रेन-वार भीड़ प्रबंधन:

- जनसाधारण एक्सप्रेसः लगभग 6,000 यात्री
- पटना के लिए विशेष ट्रेनः लगभग 6,000 यात्री
- अहमदाबाद–दरभंगा एक्सप्रेसः लगभग 3,000 यात्री
- अहमदाबाद–बरौनी एक्सप्रेसः लगभग 2,000 यात्री
- अहमदाबाद–हावड़ा एक्सप्रेसः शेष लगभग 2,000–3,000 यात्रियों को समायोजित किया गया

यात्रियों की सुविधा हेतु स्टेशन पर पेयजल की व्यवस्था, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, प्राथमिक चिकित्सा सहायता और विशेष भीड़ नियंत्रण दल तैनात किए गए। इस पूरे अभियान में राज्य रिजर्व पुलिस (SRP) के 200 सदस्यीय बल का विशेष योगदान रहा। साथ ही, अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त एवं रेलवे के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (ADG) द्वारा त्वरित सहयोग प्रदान किया गया।

स्थानीय राज्य पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल (RPF) और सभी शाखा अधिकारियों (BOs) की सक्रिय भागीदारी के चलते यह संपूर्ण संचालन बिना किसी अप्रिय घटना के सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। यह उदाहरण दर्शाता है कि पश्चिम रेलवे का अहमदाबाद मंडल यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और कुशल संचालन के लिए हमेशा तत्पर और सक्षम है।

जेप्टो ने की 200 कर्मचारियों की छंटनी

फास्ट कॉमर्स फर्म जेप्टो ने सितंबर में लगभग 300 कर्मचारियों की छंटनी की है। यह कदम बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच लागत कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है। सूत्रों के अनुसार, ये कर्मचारी परिचालन, तकनीक, श्रेणी प्रबंधन, वित्त और अन्य विभागों से जुड़े हुए थे। यह छंटनी कंपनी के नए राउंड में 0.45 अरब डॉलर (करीब 40 अरब रुपये) जुटाने के बाद हुई है, जिससे कंपनी का मूल्यांकन 7 अरब डॉलर (करीब 616 अरब रुपये) हो गया है।

सूत्रों ने मनीकंट्रोल को बताया, "इन 300 कर्मचारियों को जेप्टो के पेरोल से हटाकर थर्ड-पार्टी सर्विस प्रोवाइडर्स के साथ काम पर रखा गया है।" इस तरह कंपनी की मासिक कर्मचारी लागत कम होगी, जबकि उत्पादकता समान बनी रहेगी। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि पिछले 6 महीनों में परिचालन कार्यों को ऑटोमैटिक करने के लिए समय-समय पर इन-हाउस सॉफ्टवेयर तैयार किए गए हैं।

सूत्रों के अनुसार, इस साल की शुरुआत से अब तक जेप्टो ने कुल 1,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है, जिनमें ज्यादातर कस्टमर केयर टीम के सदस्य थे। इस टीम का अधिकांश कार्य ऑटोमैटिक किया जा रहा है। कर्मचारियों की लागत में कमी के अलावा कंपनी सभी स्तरों पर दक्षता बढ़ाने पर ध्यान देगी। मुख्य कार्यकारी अधिकारी आदित पलिचा ने बताया कि कंपनी अमेजन वेब सर्विसेज समेत अन्य सॉफ्टवेयर खर्चों में भी कटौती करेगी।

इंडिगो ने एयरबस के साथ 30 नए A350 विमानों की खरीद को दी मंजूरी, वाइड बॉडी फ्लीट का विस्तार

(जीएनएस)। नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने अपनी वाइड बॉडी फ्लीट को दोगुना करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने यूरोपीय विमान निर्माता एयरबस के साथ 30 और एयरबस A350 900 विमानों की खरीद का समझौता किया है। इस डील से इंडिगो की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में मौजूदगी और क्षमता बढ़ेगी। इन विमानों की डिलीवरी साल 2027 से शुरू होगी और इस डील के बाद कंपनी की कुल वाइड बॉडी ऑर्डर बुक 60 विमान तक पहुंच गई है। 30 नए A350 900 विमानों का ऑर्डर इंडिगो ने पहले जून 2025 में एयरबस के साथ MOU साइन किया था, जिसे अब पक्के ऑर्डर में बदल दिया गया है। इससे पहले अप्रैल 2024 में एयरलाइन ने 30 A350 900 विमानों का शुरुआती ऑर्डर दिया था। फिलहाल, कंपनी के पास भविष्य में उपयोग के लिए 40 और वाइड बॉडी विमान खरीदने के अधिकार बचे हैं।

इन नए विमानों को ट्रेंट XWB 84 इंजन से लैस किया जाएगा, जिसके लिए इंडिगो ने रोल्स रॉयस के साथ समझौता किया है। यह इंजन लंबी दूरी की उड़ानों के लिए बेहतर फ्यूल एफिशिएंसी और प्रदर्शन प्रदान करेगा, जिससे इंडिगो को इंटरनेशनल ऑपरेशन में मजबूत स्थिति बनाने में मदद मिलेगी। इंडिगो तेजी से अपनी अंतरराष्ट्रीय मौजूदगी बढ़ा रही है। हाल ही में एयरलाइन ने मैनचेस्टर और एम्स्टर्डम के लिए उड़ानें शुरू की हैं। इसके बाद कोपेनहेगन, लंदन और एथेंस के लिए भी फ्लाइट शुरू की गई हैं। इन रूट्स के लिए कंपनी अस्थायी तौर पर डैम्प लीज पर लिए गए बोइंग 787 9 और जल्द आने वाले एयरबस A321XLR का उपयोग कर रही है।

रेल मंत्रालय ने देवगढ़ मदारिया – मारवाड़ जंक्शन ब्रॉड गेज रेल लाइन के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे को दी मंजूरी

(जीएनएस)। रेल मंत्रालय ने देवगढ़ मदारिया से मारवाड़ जंक्शन तक 72 किलोमीटर लंबी नई ब्रॉड गेज रेल लाइन के फाइनल लोकेशन सर्वे (FLS) को मंजूरी दे दी है। स्वीकृति पश्चात यह नई रेल लाइन परियोजना जोधपुर और बीकानेर से होकर चित्तौड़गढ़ और उदयपुर तक सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, जिससे यात्रा का समय और दूरी दोनों कम होंगे। यह नई ब्रॉड गेज रेल लिंक राजसमंद, उदयपुर और पाली जिलों में यात्रा समय को काफी कम करेगी और यात्री व माल ट्रेनों की क्षमता को बेहतर बनाएगी, इससे इन क्षेत्रों के उन हिस्सों तक भी आधुनिक रेल सुविधाएं पहुँचेंगी जहाँ अब तक यह सुविधाएं सीमित थीं। इसके माध्यम से, देवगढ़ मदारिया के किसानों की फसलें, जैसे फल और सब्जियाँ, मारवाड़ क्षेत्र के नए बाजारों तक पहुँच सकेंगी। यह लाइन मारवाड़ क्षेत्र में तेज ट्रेनों के संचालन का मार्ग सुनिश्चित करेगी, जिससे पहले की धीमी और संकरी लाइनें तेज और अधिक सुगम संपर्क का मार्ग बन जाएँगी। ये विकास कार्य दिल्ली–मुंबई औद्योगिक गलियारे (DMIC) के रणनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप हैं और विशेष रूप से जोधपुर–पाली औद्योगिक क्षेत्र के लिए लाभकारी साबित होंगे, जो पश्चिमी भारत में एक उभरता हुआ निर्माण और लॉजिस्टिक्स हब है। बेहतर रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर न केवल आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करेगी, बल्कि निवेश आकर्षित करेगी, व्यापार का विस्तार करेगी और औद्योगिक केंद्रों को देश भर के बंदरगाहों और बाजारों से अधिक कुशलता से जोड़ेगी।

पर्यटन की दृष्टि से भी इसका बड़ा लाभ होगा। इस मार्ग से कुंभलगढ़ किला, चारभुजा मंदिर और द्वारकाधीश मंदिर (कंकरोली) जैसे प्रसिद्ध धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों तक रेल के माध्यम से पहुँचना और आसान हो जाएगा। इससे क्षेत्र में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी और स्थानीय व्यापार को भी प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही, यह क्षेत्र संगमरमर, ग्रेनाइट और सीमेंट उद्योगों के लिए भी प्रसिद्ध है, जिन्हें भारतीय रेल के मिशन 3000 एमटी के तहत माल ढुलाई क्षमता के बढ़ने से बड़ा लाभ मिलेगा। इससे कच्चे माल और पूर्ण रूप से तैयार उत्पादों की ढुलाई तेज, अधिक विश्वसनीय और किफायती हो सकेगी। जिससे औद्योगिक विकास और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। मंजूरी मिलने के बाद इस परियोजना के साथ-साथ , 969 करोड़ की लागत से चल रही 82 किलोमीटर लंबी नाथद्वारा–देवगढ़ मदारिया ब्रॉडगेज परिवर्तन परियोजना भी क्षेत्र में महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक लाभ लेकर आएगी। यह परियोजना भील, गरासिया और सहारिया जनजाति समुदायों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार के अवसरों तक पहुंच को बेहतर बनाकर उनके जीवन स्तर में सुधार करेगी।

तीन ट्रेनों का व्यारा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए व्यारा स्टेशन पर तीन ट्रेनों का अतिरिक्त ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. 23 अक्टूबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09029 बांद्रा टर्मिनस-रीवा एक्सप्रेस (साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 09:38 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 09:40 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 24 अक्टूबर, 2025 को रीवा से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09030 रीवा-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस (साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 07:41 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 07:43 बजे प्रस्थान करेगी।

2. 25 अक्टूबर, 2025 को उधना से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09033 उधना-बरौनी एक्सप्रेस (द्वि-साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 21:03 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 21:05 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 27 अक्टूबर, 2025 को बरौनी से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09034 बरौनी-उधना एक्सप्रेस (द्वि-साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 17:56 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 17:58 बजे प्रस्थान करेगी। 3. 26 अक्टूबर, 2025 को उधना से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09069 उधना–समस्तीपुर एक्सप्रेस (साप्ताहिक) शुरू होकर व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 21:11 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 21:13 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 28 अक्टूबर, 2025 को समस्तीपुर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09070 समस्तीपुर–उधना एक्सप्रेस (साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 12:00 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 12:02 बजे प्रस्थान करेगी।

ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

विशाखापत्तनम नौसेना जासूसी मामले में दो और आरोपियों को मिली सजा, राष्ट्रीय सुरक्षा पर गंभीर खतरा

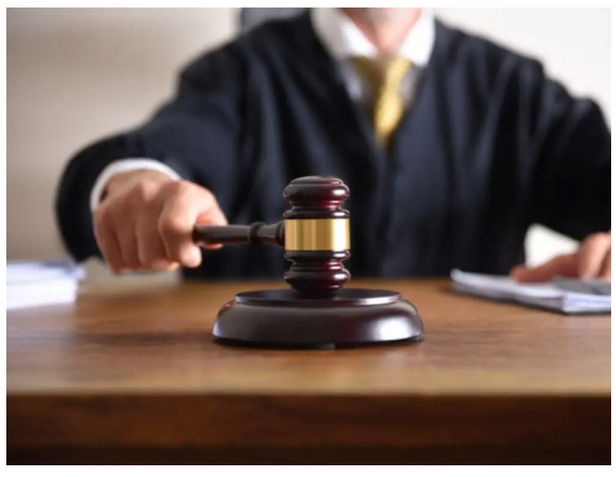

(जीएनएस)। विशाखापत्तनम से राष्ट्रीय सुरक्षा को झकझोरने वाली खबर सामने आई है, जिसमें राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने नौसेना जासूसी मामले में दो और आरोपियों को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। इस निर्णय के साथ ही इस मामले में कुल चार आरोपियों को अब तक सजा हो चुकी है। अदालत ने पाया कि आरोपियों ने विदेशी खुफिया एजेंसियों के लिए जासूसी की, जिससे देश की सुरक्षा और संप्रभुता को गंभीर खतरा उत्पन्न हुआ।

एनआईए के बयान के अनुसार, मुंबई निवासी मोहम्मद हारून हाजी अब्दुल रहमान लकड़ावाला को साढ़े पांच साल का साधारण कारावास, जबकि गोधरा (गुजरात) निवासी इमरान याकूब गिलेटी को छह साल का साधारण कारावास सुनाया गया। दोनों पर 5,000-5,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है, और यदि यह जुर्माना नहीं चुकाया गया तो अतिरिक्त एक साल की कैद भुगतनी होगी।

जांच में यह सामने आया कि आरोपी विदेशी एजेंटों से सीधे संपर्क में थे और भारत के नौसैनिक प्रतिष्ठानों और संवेदनशील स्थलों से प्राप्त गोपनीय सूचनाओं का आदान-प्रदान कर रहे थे। एनआईए ने पाया कि आरोपियों ने व्हाट्सएप और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए पाकिस्तानी जासूसों से नियमित संपर्क रखा और संवेदनशील जानकारी साझा की। उनकी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसों की जांच में कई आपत्तिजनक चैट और दस्तावेज भी बरामद हुए। एनआईए ने लकड़ावाला को मई 2020 और गिलेटी को सितंबर 2020 में उनके गृह राज्यों से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद लंबी पूछताछ और सबूतों के आधार पर आरोप पत्र दायर किया गया। अदालत ने सभी साक्ष्यों को पर्याप्त मानते हुए दोनों आरोपियों को दोषी करार दिया। एनआईए ने चेतावनी दी है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की जासूसी या देशविरोधी गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एजेंसी का कहना है कि ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त और त्वरित कार्रवाई जारी रहेगी ताकि देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। विशाखापत्तनम नौसेना जासूसी मामले ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत संवेदनशील सैन्य और सुरक्षा संस्थानों की रक्षा के लिए चौकस है और किसी भी संभावित खतरे को गंभीरता से लेता है।

बिहार चुनाव में अमित शाह ने खुद संभाला मोर्चा, बगावती नेताओं को साधा और एनडीए का वोट बैंक बचाया

(जीएनएस)। पटना। बिहार विधानसभा चुनावों में टिकट वितरण के बाद उत्पन्न हुए भीतरघात और बगावती रुझानों को काबू में करने के लिए बीजेपी के रणनीतिकार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने व्यक्तिगत रूप से मोर्चा संभाल लिया। पहले पटना के मेयर और अब गोपालगंज की बागी विधायक कुसुम देवी को साधकर शाह ने यह संदेश स्पष्ट कर दिया कि एनडीए किसी भी कीमत पर अपने वोट बैंक के बिखराव को सहन नहीं करेगा।

गोपालगंज सदर विधानसभा सीट से बीजेपी की मौजूदा विधायक कुसुम देवी का टिकट काटे जाने के बाद उन्होंने खुले तौर पर पार्टी के खिलाफ बगावत शुरू कर दी थी। अपने बेटे अनिकेत कुमार को निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारकर कुसुम देवी ने पार्टी के लिए संकट पैदा कर दिया था। अगर यह बगावत जारी रहती, तो एनडीए के लिए वोट बंटने का खतरा सीधे सामने आ जाता।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की हस्तक्षेप के बाद हालात बदल गए। पटना में शाह से मुलाकात के बाद कुसुम देवी के तेवर नरम पड़ गए। उन्होंने न केवल एनडीए के आधिकारिक उम्मीदवार का समर्थन करने का ऐलान किया, बल्कि अपने बेटे का निर्दलीय नामांकन भी वापस ले लिया। इस कदम से गोपालगंज में बीजेपी की स्थिति मजबूत हुई और संभावित नुकसान टल गया।

इसी तरह पटना साहिब सीट पर भी टिकट वितरण के बाद असंतोष पैदा हुआ। सात बार के विधायक और बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष नंदकिशोर यादव का टिकट काटकर पार्टी ने नए चेहरे रत्नेश कुशवाहा को उम्मीदवार बनाया। इस फैसले से पटना की मेयर और बीजेपी नेत्री सीता साहू के बेटे शिशिर कुमार ने भी बगावत की राह अपनाई और निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया। दिलचस्प यह है कि शिशिर कुमार और नंदकिशोर यादव का रिश्ता चाचा-भतीजे के रूप में है, जिससे राजनीतिक मुकाबला और अधिक संवेदनशील हो गया।

हालांकि, अमित शाह की रणनीति और हस्तक्षेप ने यहां भी स्थिति नियंत्रण में ले ली। शीर्ष नेतृत्व से आश्वासन मिलने और पार्टी हित का हवाला दिए जाने के बाद मेयर सीता साहू और उनके बेटे ने एनडीए के आधिकारिक उम्मीदवार रत्नेश कुशवाहा को समर्थन देने का फैसला किया और शिशिर कुमार ने अपना निर्दलीय नामांकन वापस ले लिया।

विशेषज्ञों का मानना है कि अमित शाह की इस सक्रिय भूमिका ने न केवल पार्टी के भीतरघात को रोका बल्कि एनडीए के वोट बैंक को मजबूत करने में भी अहम भूमिका निभाई। इससे यह साफ संकेत मिलता है कि बिहार चुनाव में बीजेपी की रणनीति केवल उम्मीदवार बदलने तक सीमित नहीं है, बल्कि पार्टी एकजुटता और वोट बैंक के संरक्षण पर भी पूरी तरह ध्यान दे रही है।

नगरोटा उपचुनाव: हर्ष देव सिंह और देवयानी राणा ने नामांकन दाखिल कर शुरू किया चुनावी रण

(जीएनएस)। जम्मू। जम्मू-कश्मीर की नगरोटा विधानसभा सीट के उपचुनाव में शनिवार को राजनीतिक गतिविधियों ने तेज रफ्तार पकड़ ली है। जेकेएनपीपी-आई के अध्यक्ष हर्ष देव सिंह और भाजपा उम्मीदवार देवयानी राणा ने अपने नामांकन पत्र दाखिल कर औपचारिक रूप से चुनावी मैदान में प्रवेश किया। नामांकन भरने के बाद दोनों नेताओं ने अलग-अलग जनसभाओं को संबोधित करते हुए मतदाताओं का समर्थन मांगा और अपनी योजनाओं तथा प्राथमिकताओं पर जोर दिया। नगरोटा और बडगाम की उपचुनाव प्रक्रिया 11 नवंबर को आयोजित होगी, जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी। नामांकन पत्र भरने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर है, और उसके सत्यापन की प्रक्रिया 22 अक्टूबर को होगी। वहीं, नामांकन वापसी की अंतिम तिथि 24 अक्टूबर निर्धारित की गई है। नगरोटा सीट पिछले साल 31 अक्टूबर को भाजपा विधायक देवेंद्र सिंह राणा के निधन के कारण खाली हुई थी। वहीं, बडगाम सीट मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा गादरबल से चुनाव जीतने के बाद खाली हुई थी। उपचुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियों में उत्साह और प्रत्याशियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है।

हर्ष देव सिंह और देवयानी राणा दोनों ही स्थानीय मतदाताओं से सीधा संवाद कर अपनी पहचान और अनुभव को प्रमुखता से पेश कर रहे हैं। स्थानीय स्तर पर दोनों उम्मीदवारों की गतिविधियों पर नजर बनाए रखना महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि यह उपचुनाव भविष्य के राजनीतिक समीकरणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

दिल्ली: सांसदों के अपार्टमेंट में भीषण आग, दो बच्चियों को लगी चोट

(जीएनएस)। नई दिल्ली। राजधानी के डॉ. विशम्भर दास मार्ग स्थित हाई-प्रोफाइल ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट में शनिवार दोपहर अचानक भीषण आग लग गई। यह अपार्टमेंट सांसदों के लिए आवासीय परिसर है और संसद भवन से कुछ सौ मीटर की दूरी पर स्थित है। आग लगने के समय इमारत में करीब 35 लोग मौजूद थे, जिन्हें दमकल कर्मियों ने समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस हादसे में दो बच्चियों को मामूली चोटें आईं, जिन्हें राम मनोहर लोहिया अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

दमकल विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आग लगने की सूचना शनिवार दोपहर 1:22 बजे मिली। तुरंत 14 फायर टेंडर मौके पर भेजे गए। दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। आग ने ग्राउंड फ्लोर से लेकर तीसरी मंजिल तक को अपनी चपेट में लिया। इस दौरान दो कारें और एक स्कूटी जलकर खाक हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ग्राउंड फ्लोर पर सीपीडब्ल्यूडी का फर्नीचर और कुछ पुराने सामान लंबे समय से रखा हुआ था। इसी सामान में आग लगने से लपटें तेजी से फैल गईं और ऊपर के फ्लैटों तक पहुंच गईं। धुएं के गुबार दूर-दूर तक दिखाई दे रहे थे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सबसे अधिक नुकसान ग्राउंड फ्लोर पर हुआ।

दमकल विभाग ने आग लगने के सटीक कारणों का पता नहीं चल पाया है, हालांकि प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट की संभावना जताई जा रही है। पुलिस और दमकल विभाग की संयुक्त टीम घटनास्थल पर जांच में जुटी है और अपार्टमेंट में रहने वालों से पूछताछ कर रही है ताकि आग लगने की वास्तविक परिस्थितियों का पता लगाया जा सके।

हादसे के बावजूद समय पर बचाव और राहत कार्यों से किसी बड़े जनहानि से बचा जा सका। अधिकारियों ने अपील की है कि भविष्य में सुरक्षा मानकों को और सख्ती से लागू किया जाए ताकि ऐसे हादसों को रोका जा सके।

ISRO ने चंद्रयान-2 से दिखाया सौर तूफान का असर, चांद के वायुमंडल में दर्ज हुआ रिकॉर्ड ब्रह्मास्त्र

(जीएनएस)। नई दिल्ली। भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने एक ऐसा वैज्ञानिक चमत्कार कर दिखाया है, जिसने अंतरिक्ष विज्ञान जगत को हिला दिया है। चंद्रयान-2 के मिशन ने पहली बार प्रत्यक्ष रूप में दिखा दिया कि सूर्य से निकली "Coronal Mass Ejection (CME)" यानी सौर विस्फोट की ऊर्जा चांद के वायुमंडल पर सीधे असर डालती है। यह वही प्रभाव है, जिसे पहले दुनिया भर के वैज्ञानिक केवल अनुमान के तौर पर मानते रहे थे, लेकिन अब ISRO ने इसे लाइव रिकॉर्ड कर दिखाया।

इस खोज में चंद्रयान-2 के 'चंद्र वायुमंडलीय संरचना अन्वेषक-2 (CHACE-2)' उपकरण की अहम भूमिका रही। मई 2024 में एक शक्तिशाली सौर विस्फोट के बाद CHACE-2 ने चांद के एक्सोस्फीयर यानी बेहद पतले वायुमंडल में दबाव में 10 गुना तक की वृद्धि दर्ज की। चांद पर स्थायी वायुमंडल या चुंबकीय सुरक्षा नहीं होने के कारण यह प्रभाव और भी गहरा था। वैज्ञानिकों के अनुसार CME के दौरान सूर्य भारी मात्रा में हाइड्रोजन और हीलियम आयन को अंतरिक्ष में फेंकता है, जिसे सौर तूफान कहा जाता है। जब यह चांद जैसे पिंड से टकराता है, तो उसके वातावरण और सतह पर तीव्र प्रभाव पड़ता है।

चंद्रयान-2 द्वारा प्राप्त डेटा ने साबित कर दिया कि CME जैसी घटनाएं चंद्रमा के एक्सोस्फीयर में गैसों के अणुओं के दबाव को अचानक बढ़ा सकती हैं। यह प्रभाव न केवल वैज्ञानिकों के लिए रोमांचक है, बल्कि भविष्य में चांद पर बनाए जाने वाले मानव बेस और कॉलोनी की सुरक्षा योजना के लिए भी बेहद अहम है।

ISRO के अनुसार यह पहला मौका है जब किसी अंतरिक्ष यान ने चांद के वायुमंडल में CME के प्रत्यक्ष प्रभाव को दर्ज किया। इस उपलब्धि से न केवल चंद्रमा की समझ बढ़ेगी, बल्कि अंतरिक्ष मौसम (Space Weather) के अध्ययन में भी नई दिशा मिलेगी। भविष्य में जब इंसान चांद पर स्थायी रूप से बसेगा, तो ऐसे सौर तूफान वहां के उपकरणों और जीवन समर्थन प्रणालियों को प्रभावित कर सकते हैं।

यह खोज भारत की अंतरिक्ष अनुसंधान क्षमता का प्रतीक है। चंद्रयान-2 की इस उपलब्धि ने साबित कर दिया कि भारत अब सिर्फ अनुसंधान करने वाला देश नहीं है, बल्कि अंतरिक्ष विज्ञान में दिशा दिखाने वाला वैश्विक खिलाड़ी बन चुका है। ISRO की यह सफलता देश की वैज्ञानिक यात्रा में एक नए अध्याय का आरंभ है और भविष्य में चंद्रमा के अध्ययन और मानव मिशनों की योजना के लिए मार्गदर्शक साबित होगी।

कर्नाटक: किरण मजूमदार शॉ की सड़क आलोचना पर डीके शिवकुमार का व्यंग्य, "अगर बनाना चाहती हैं तो बनाएं"

(जीएनएस)। बेंगलुरु। बायोकॉन ग्रुप की अध्यक्ष किरण मजूमदार शॉ द्वारा शहर की खराब सड़कों और कचरे पर उठाए गए सवालों के बाद कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को व्यंग्यात्मक प्रतिक्रिया दी। 'बेंगलुरु नाडिगे' कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि अगर किरण शॉ सड़के बनाना चाहती हैं, तो सरकार उन्हें अनुमति देने के लिए तैयार है।

डीके शिवकुमार ने कहा, "अगर वह सड़कें बनाना चाहती हैं, तो उन्हें बनाने दीजिए। अगर वह आकर मांगती हैं, तो हम उन्हें सड़कें बनाने के लिए दे देंगे।" उनका यह बयान किरण शॉ की सोशल मीडिया पोस्ट के जवाब में आया था, जिसमें उन्होंने बेंगलुरु की खराब सड़कों और कचरे की स्थिति पर चिंता जताई थी। उपमुख्यमंत्री ने यह भी जोड़ते हुए कहा कि सरकार लगातार शहर के विकास पर काम कर रही है और आलोचना की बजाय सहयोग की उम्मीद करती है।

किरण शॉ ने अपनी पोस्ट में बताया कि उनके बायोकॉन पार्क में आए एक विदेशी कारोबारी ने शहर की सड़कें और सफाई की स्थिति पर सवाल उठाया। उन्होंने लिखा कि ऐसी परिस्थितियां निवेशकों को हतोत्साहित कर सकती हैं और इससे शहर की वैश्विक छवि प्रभावित होती है। शॉ ने कहा, "मैं अभी चीन से लौटी हूं और सोच रही हूं कि भारत अपने बुनियादी ढांचे को सुधारने में पीछे क्यों है, जबकि परिस्थितियां अनुकूल हैं।" किरण शॉ की आलोचना के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई, जिसमें नागरिकों ने शहर की बदहाल सड़कों, कचरे और प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए। डीके शिवकुमार का यह बयान इस बहस में एक नए मोड़ के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें राजनीतिक और सामाजिक चर्चा दोनों ही तेज हुई हैं। शहरवासियों का कहना है कि बुनियादी ढांचा सुधारना समय की मांग है और नागरिकों और उद्योगपतियों की आवाज़ को ध्यान में रखना जरूरी है। वहीं, प्रशासन ने इस मुद्दे पर कहा कि वे लगातार सड़क निर्माण और सफाई योजनाओं पर काम कर रहे हैं और सुधार के लिए सभी सुझावों का स्वागत करते हैं।

नौ नवंबर से शंघाई और दिल्ली के बीच चीन ईस्टर्न एयरलाइंस की फ्लाइट फिर से शुरू

(जीएनएस)। बेंगलुरु। बायोकॉन ग्रुप की अध्यक्ष किरण मजूमदार शॉ द्वारा शहर की खराब सड़कों और कचरे पर उठाए गए सवालों के बाद कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को व्यंग्यात्मक प्रतिक्रिया दी। 'बेंगलुरु नाडिगे' कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि अगर किरण शॉ सड़के बनाना चाहती हैं, तो सरकार उन्हें अनुमति देने के लिए तैयार है।

डीके शिवकुमार ने कहा, "अगर वह सड़कें बनाना चाहती हैं, तो उन्हें बनाने दीजिए। अगर वह आकर मांगती हैं, तो हम उन्हें सड़कें बनाने के लिए दे देंगे।" उनका यह बयान किरण शॉ की सोशल मीडिया पोस्ट के जवाब में आया था, जिसमें उन्होंने बेंगलुरु की खराब सड़कों और कचरे की स्थिति पर चिंता जताई थी। उपमुख्यमंत्री ने यह भी जोड़ते हुए कहा कि सरकार लगातार शहर के विकास पर काम कर रही है और आलोचना की बजाय सहयोग की उम्मीद करती है। किरण शॉ ने अपनी पोस्ट में बताया कि उनके बायोकॉन पार्क में आए एक विदेशी कारोबारी ने शहर की सड़कें और सफाई की स्थिति पर सवाल उठाया। उन्होंने लिखा कि ऐसी परिस्थितियां निवेशकों को हतोत्साहित कर सकती हैं और इससे शहर की वैश्विक छवि प्रभावित होती है। शॉ ने कहा, "मैं अभी चीन से लौटी हूं और सोच रही हूं कि भारत अपने बुनियादी ढांचे को सुधारने में पीछे क्यों है, जबकि परिस्थितियां अनुकूल हैं।" किरण शॉ की आलोचना के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई, जिसमें नागरिकों ने शहर की बदहाल सड़कों, कचरे और प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए। डीके शिवकुमार का यह बयान इस बहस में एक नए मोड़ के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें राजनीतिक और सामाजिक चर्चा दोनों ही तेज हुई हैं। शहरवासियों का कहना है कि बुनियादी ढांचा सुधारना समय की मांग है और नागरिकों और उद्योगपतियों की आवाज़ को ध्यान में रखना जरूरी है। वहीं, प्रशासन ने इस मुद्दे पर कहा कि वे लगातार सड़क निर्माण और सफाई योजनाओं पर काम कर रहे हैं और सुधार के लिए सभी

भारत-मिस्र रणनीतिक वार्ता से बढ़ेगा सहयोग, ईवी, रिन्यूएबल एनर्जी और फिनटेक में खुलेंगे नए अवसर

(जीएनएस)। नई दिल्ली। भारत और मिस्र के बीच हाल ही में आयोजित रणनीतिक वार्ता ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में नए रास्ते खोले हैं। रिपोर्टों के अनुसार, इस सहयोग का फोकस विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहन (EV), रिन्यूएबल एनर्जी, फिनटेक, स्टार्टअप्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), खाद्य सुरक्षा और रक्षा क्षेत्रों में निवेश के अवसरों पर रहेगा।

जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के वेस्ट एशियन स्टडीज के एसोसिएट प्रोफेसर मुदस्सिर कमर के हवाले से अरब न्यूज की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और मिस्र के बीच उभरते और विशिष्ट क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। इन क्षेत्रों में स्टार्टअप इकोसिस्टम, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, फार्मास्यूटिकल्स और नवाचार (Innovation) भी शामिल हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बताया कि 2023 में भारत-मिस्र रणनीतिक साझेदारी की स्थापना के बाद दोनों देशों ने राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, समुद्री और आतंकवाद-रोधी सहयोग को लेकर गहन चर्चा की है। इस बैठक में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, फिनटेक, फार्मा, स्टार्टअप और रिन्यूएबल एनर्जी में निवेश के अवसर तलाशने पर विशेष जोर दिया गया।

मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलाती ने अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान नई दिल्ली में जयशंकर के साथ सह-अध्यक्षता वाली वार्ता में कहा कि स्वेज नहर आर्थिक क्षेत्र भारतीय कंपनियों के लिए महत्वपूर्ण निवेश अवसर प्रदान करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मिस्र इस क्षेत्र में भारतीय औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने और स्थानीय बाजार की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है। इसके अलावा, यह क्षेत्र निर्यात विस्तार और व्यापक निवेश प्रोत्साहन, कर और सीमा शुल्क छूट की संभावनाओं के कारण भी आकर्षक है। पूर्व राजदूत अनिल त्रिगुणायत ने बताया कि दोनों पक्ष डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, फिनटेक, फार्मास्यूटिकल्स, स्टार्टअप और इनोवेशन के साथ-साथ रिन्यूएबल एनर्जी में निवेश की संभावनाओं का पता लगाने पर सहमत हुए हैं। इस सहयोग के तहत तकनीकी, आर्थिक और औद्योगिक साझेदारी को बढ़ावा देने के प्रयास किए जाएंगे। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत और मिस्र के बीच इस रणनीतिक सहयोग से न केवल दोनों देशों के व्यापारिक और निवेश संबंध मजबूत होंगे, बल्कि वैश्विक तकनीकी और नवाचार के क्षेत्र में साझेदारी के नए अवसर भी खुलेंगे। ईवी, रिन्यूएबल एनर्जी और फिनटेक जैसे उभरते क्षेत्रों में यह साझेदारी दोनों देशों को प्रतिस्पर्धी लाभ और सतत विकास के रास्ते प्रदान करेगी। इस रणनीतिक वार्ता के परिणामस्वरूप भारतीय कंपनियों को मिस्र में औद्योगिक और निवेश क्षेत्र में प्रवेश के नए अवसर मिलेंगे, जबकि मिस्र को भारतीय तकनीकी और नवाचार से लाभ होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सहयोग आने वाले वर्षों में दोनों देशों के आर्थिक और तकनीकी रिश्तों को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा।

तेलंगाना में आरक्षण विवाद के बाद बंद से अस्त-व्यस्त हुआ प्रदेश, तोड़फोड़ की घटनाएं भी हुईं

(जीएनएस)। हैदराबाद। तेलंगाना शनिवार को बड़े पैमाने पर बंद के कारण पूरी तरह ठप रहा। यह बंद पिछड़ी जातियों के लिए स्थानीय निकाय चुनावों में 42 प्रतिशत आरक्षण देने के सरकारी आदेश पर उच्च न्यायालय द्वारा लगाए गए अंतरिम रोक के विरोध में आयोजित किया गया। बंद का आह्वान मुख्य रूप से तेलंगाना पिछड़ा वर्ग संयुक्त कार्रवाई समिति (बीसी जेएसी) ने किया, जबकि कई राजनीतिक दलों ने इसे समर्थन दिया।

सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी ने बीसी जेएसी के इस बंद का समर्थन किया, वहीं विपक्षी दल बीआरएस और भाजपा भी इसमें शामिल रहे। बंद के दौरान प्रदेश के कई मंत्री भी प्रदर्शन में भाग लेने के लिए सड़कों पर उतर आए। बंद का असर पूरे राज्य में देखा गया, बड़े शहरों और कस्बों में आम नागरिकों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ा।

कुछ पिछड़ा वर्ग संगठनों के कार्यकर्ताओं ने बंद के दौरान हिंसक रुख अपनाते हुए एक पेट्रोल पंप और एक दुकान में तोड़फोड़ की। इसके अलावा बस सेवाओं पर भी भारी असर पड़ा। सरकारी बसें डिपो में खड़ी रहीं, जिससे आम लोगों की यात्रा बाधित हुई। विशेष रूप से दिवाली के लिए यात्रा कर रहे लोगों को बसों के इंतजार में लंबे समय तक खड़ा होना पड़ा।

व्यापारिक प्रतिष्ठान, दुकानें और स्कूल भी बंद रहे। हालांकि, इमरजेंसी सेवाओं और आवश्यक सेवाओं को इस बंद से अलग रखा गया। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने नौ अक्टूबर को ही पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षित 42 प्रतिशत सीटों वाले सरकारी आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी। इस आदेश के विरोध में आयोजित यह बंद राज्य में सामाजिक और राजनीतिक तनाव को और बढ़ा गया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि आरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दों पर न्यायालय और सरकार के निर्णय के बाद ऐसी प्रतिक्रियाएं आम हैं, लेकिन हिंसा और तोड़फोड़ से आम जनता और व्यापारिक गतिविधियों को गंभीर नुकसान होता है। प्रशासन ने कहा है कि हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और शांति बनाए रखने के प्रयास जारी हैं।